

संत के रक्त का चमत्कार

Gottes Jesus क्रॉम *istus,*



द्वारा दूसरा मूल
फादर गेबहार्ट मारिया OCD रेगेन्सबर्ग
में (1.)

जो 1952 में रून्लबेन में हुआ था
मसीह के यूखरसितिकि शरीर के रूप में।
यह एक पवतिर चमत्कार है कि पवतिर
त्रमिर्त्ति

ईश्वर, पति, पुत्र और पवतिर आत्मा
ने हम सभी पर प्रदान किया है

फादर गेबहार्ट मारिया हेडर OCD
a e Menschen.

हम सर्वशक्तमिमान पवतिर त्रिभूरति, † पति, पुत्र और पवतिर आत्मा का सम्मान, सत्तुति और प्रेम करते हैं।

मसीह का पवतिर रक्त, हमें हमारे पापों से मुक्ति प्रदान करे।

ईश्वर का यह चहिन सभी लोगों के लिए है।

पवतिर ईश्वर ने सभी लोगों के उद्धार के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया, ताकि उन्हें अनंत जीवन प्राप्त हो सके

और स्वर्ग में प्रवेश कर सकें।

वही स्वयं हमारे पवतिर ईश्वर, यीशु मसीह हैं, जो पवतिर संस्कार में देह और रक्त, शरीर और आत्मा, दयिता और मानवता के साथ, सच्चे और वास्तविक रूप में स्वयं को मानव जाति को देते हैं। इसलिए, वशिवासियों को पवतिर संस्कार को एक शुद्ध हृदय से प्राप्त करना चाहिए, एक पाटन का उपयोग करते हुए ताकि कोई कण जमीन पर न गरि। क्योंकि पवतिर ईश्वर सबसे छोटे कणों में भी उपस्थिति है।

30 वर्षों तक, फादर गेबहार्ट मारिया ने वनिमृता और धैर्य से प्रतीक्षा की, और बाद में 'ईश्वर का चहिन' नामक पुस्तिका प्रकाशित की ताकि यूखरसितिकि रक्त चमत्कार की पूजा की जा सके।

और फादर गेबहार्ट मारिया के 40 साल बाद, हमने रोडलबेन चहिन प्रकाशित किया, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है।

और हमने फादर गेबहार्ट मारिया का वविरण ऑनलाइन पढ़ने के लिए उपलब्ध कराया।

धन्य कुंवारी मरियम ने युखरसितिकि रक्त चमत्कार के बारे में कहा: "क्या मेरा पुत्र यहाँ से अधिक दे सकता है? दूसरी बार, उसने आत्माओं के उद्धार के लिए दृश्य रूप में अपना पवतिर बहुमूल्य रक्त बहाया है।"

अब समय आ गया है कसित्य प्रकाश में आए।

पवतिर ईश्वर, हमारे राजा और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह का सबसे बड़ा, सच्चा और कीमती चमत्कार, दुनिया भर के सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

हम सभी जो रक्त के साथ पवतिर कम्युनयिन प्राप्त करते हैं - अर्थात्, देह और रक्त, शरीर और आत्मा में जीवति ईश्वर - पवतिर संस्कार में उपस्थिति हैं।

हमें होस्ट को बहुमूल्य रक्त के प्याले में डुबोने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अभिषेक के बाद पवतिर संस्कार में मसीह का रक्त पहले से ही मौजूद है।

इसीलिए पवतिर त्रिमूर्ति परमेश्वर की महिमा के लिए, हमेशा जीभ पर संस्कार ग्रहण करना अच्छा है।

हमने यह छोटी पुस्तक सभी के पढ़ने के लिए उपलब्ध कराई है।

सब कुछ पादरी गेबहार्ड मारिया द्वारा पुस्तिका में लिखा गया है
'ईश्वर का चहिन'।

उस चहिन को पवतिर पति द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। ताकि अंततः उद्धारकर्ता को उनके बहुमूल्य रक्त के साथ, इस संस्कार में अब और हमेशा के लिए पूजा और सम्मान प्राप्त हो।

www.gnadenvolle-gebete.de

नवंबर 2025 जुलियाना

एबर्ट द्वारा लिखा गया और
बर्नहार्ड कोपेनहेगेन

लेखक का वक्तव्य

धर्म सन्दिधांत के लिए धर्मसभा के उस आदेश के अनुसार, जसि पोप पॉल VI ने अनुमोदति कयिा था और जसि 29 दसिंबर को A.A.S. 58/16 में प्रकाशति कयिा गया था 1966, यह अनुमति दी गई है कि प्रिन्ट होने या प्रकाशनो पर लेख इम्प्रिन्टिडुम – अर्थात् मुद्रण के लिए चर्च की अनुमति – के बिना प्रकाशति कएि जा सकते हैं। लेखक/संपादक घोषणा करता है कि, इन संदेशों को प्रकाशति करते हुए, उसका इरादा चर्च के निर्णय से पहले अपनी राय देना नहीं है।

प्रथम संस्करण के संपादक: फादर गेबहार्ड हेडर OCD प्रथम संस्करण 1982 में मुद्रति कॉपीराइट सैट राफेल-वर्लाग, उल्म, मारएिनस्ट्रासे 9 के पास सुरक्षति है।

द्वितीय संस्करण 2004 का अधिकृत पुनर्मुद्रण मुद्रक: DRUCKEREI Joh. van Acken, 47800 Krefeld प्रकाशक और कॉपीराइट: जोआचिम पाचे, 47839 क्रैफेल्ड, वॉन-हारफ-श्ट्रासे 34

Zeichen Gottes

Die heilige Eucharistie
ist das Herz- und Kernstück
unseres Glaubens

दूसरे संस्करण के लिए प्रस्तावना

४८वां विश्व यूखरसिटिक कांग्रेस २००४ में ग्वाडलहारा (मेक्सिको) में परमधर्मपति जॉन पॉल द्वितीय के अनुरोध पर आयोजित किया गया था। इसका वषिय था: 'यूखरसिट, नए सहस्राब्दी के लिए प्रकाश और जीवन।'

1881 में, पहला यूखरसिटिक कांग्रेस ललि (फ्रांस) में हुआ था। इसकी पहल किसी पोप या बशिय से नहीं, बल्कि एक ऐसी महिला से हुई थी जिसके हृदय में यूखरसिट के प्रतगिहरा प्रेम था और जो इस बात से दुखी थी कि फ्रांसीसी क्रांति के परिणामस्वरूप, यूखरसिट में विश्वास लगभग समाप्त हो गया था। एमिलिटैमज़ियर (1834–1910) ने उन स्थानों की तीर्थयात्रा करते समय यूखरसिट की केंद्रीय भूमिका को पहचाना, जहाँ यूखरसिट के चमत्कार हुए थे।

यह यूखरसिटिक चमत्कारों के अर्थ और महत्व को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। ये यूखरसिट की केंद्रीय भूमिका की पुष्टि करने के लिए स्वयं ईश्वर द्वारा कलीसिया को प्रदान किए जाते हैं।

जब भी इस महान रहस्य को चर्च की प्रथाओं में भ्रामक विकासों या विश्वास और श्रद्धा की कमी से गंभीर रूप से खतरा हुआ है, ईश्वर ने विशेष संकेतों के माध्यम से प्रतिक्रिया दी है।

इसलिए यूखरसिट के चमत्कार यूखरसिट के रहस्य के समानांतर नहीं हैं और न ही उन्हें इससे अलग करके देखा जाना चाहिए, और न ही वास्तव में इसकी जगह पर पूजित किया जाना चाहिए। इसके विपरीत, इनमें वेदी के संस्कार की छपी हुई वास्तविकता ठोस और जीवंत रूप से पुष्ट होती है।

यदि प्रभु ने अपनी दो-हजार साल की इतिहास भर में अपनी कलीसिया पर बार-बार यूखरसिटिक चमत्कार किए हैं, तो यह इसलिए है क्योंकि पवित्र यूखरसिट वह सबसे बड़ा उपहार है जो उन्होंने अपनी वापसी तक अपनी कलीसिया को सौंपा है।

परमप्रसाद चर्च का हृदय और आत्मा है।

जोआचिम पाचे, क्रेफेल्ड मरियम प्रार्थना
समूह, क्रेफेल्ड

मूल्यवान रक्त की प्रार्थना

मूल्यवान रक्त के नाम पर, मैं आपके पास आता हूँ, हे यीशु, आपसे नविदन करने, आपसे आग्रह करने, आपसे वनिती करने।

यद्यपि ऐसा प्रतीत होता है कि आप मेरी वनितियों को अस्वीकार कर रहे हैं, मैं तब तक आपके रक्त-सने चरणों को नहीं छोड़ूँगा जब तक कि आप मेरी नहीं सुन लेते।

आपके घावों से मुझ पर पहले ही इतना अधिक अनुग्रह और दया बही है कि मैं अंत तक इसकी प्रभावशीलता पर भरोसा न करूँ, ऐसा हो ही नहीं सकता।

आपके पवित्र बहुमूल्य रक्त के माध्यम से। अतः, हे पवित्र ईश्वर यीशु मसीह, आपके रक्त के सात प्रवाहों के माध्यम से, मेरे उद्धार के लिए चुकाई गई उस अतिपवित्र कीमत की हर बूंद के माध्यम से, और

आपकी नषिकलंक माता के आँसुओं के माध्यम से, मैं आपसे वनिती और प्रार्थना करता हूँ कि मेरी प्रार्थना सुनें।

हे पवित्र मरियम, जो बहुमूल्य रक्त का स्रोत हैं, मैं आपसे वनिती करता हूँ, रक्त की महिमा किए बिना इस अवसर को न जाने दें।
जसिने आपको नषिकलंक बनाए रखा है। **आमेन।**

हे सर्वशक्तिमान पवित्र त्रिमूर्ति ईश्वर, हम आपसे वनिती करते हैं,
† पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, अपने सेवकों की सहायता के लिए आओ, जनिहें आपने अपने कीमती रक्त।

'रक्तपात के बनि पापों की क्षमा नहीं होती।'

रक्तपात के बनि कोई
" (इब्रानियों 9:22).

परचिय

घटनाओं और इस वर्तमान वविरण के बीच तीस वर्षों की मौनता है।

इस कृत में 'गवाही' और फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण के लिए, समकालीन इतिहास के संदर्भ में अनुकूलति बाइबलि की इस आयत को लागू किया जा सकता है: 'जो हम जानते हैं, वही हम कहते हैं; और जो हमने देखा है, उसी की हम गवाही देते हैं; फरि भी तुम हमारी गवाही स्वीकार नहीं करते' (यूहन्ना 3:11)।

लेखक का अनुभव भजनकार के समान था: 'जब तक

मैं चुप रहा (चुप रहने के लिए मजबूर किया गया), यहाँ तक कि मेरी हड्डियाँ सूख गईं। तब मैंने अपने मन में कहा:

'अब मैं इसका इकरार करूँगा।' और आपने मेरा दोष दूर कर दिया" (देखें भजन संहिता 31:3-5)।

अब जब कुछ बाधाएँ दूर हो गई हैं, तो इस अनुग्रह के रहस्य का संदेश बनि किसी बाधा के अपना मार्ग तय करेगा और, अपनी प्रकृति के अनुरूप, पाठकों के हृदयों में यूखरसितिकी विश्वास और धन्य कुंवारी मरियम में विश्वास और उनके अनुग्रह के मध्यस्थता को मजबूत करेगा।

चूंकि संबंधित करिमाई व्यक्तिके रशितेदार अभी भी जीवति हैं, इसलिए संबंधित नाम और स्थान केवल मोनोग्राम के रूप में दिए गए हैं, हालांकि वे लेखक द्वारा पूरी तरह से दर्ज किए गए हैं।

पूरे वविरण सहति।

कोलोन के 'नोए इलस्ट्रैटे' में 20 अगस्त 1952 को प्रकाशित फोटो रिपोर्ट – खंड 7, संख्या 34, पृष्ठ 1-9, और ब्रदर के कुछ लेखों को छोड़कर

जे. डब्ल्यू., 'वॉक्स फाईर्' में फरवरी 1982 का एक संक्षिप्त नोट, और फ्रांज वीस की पुस्तक *गॉट्स ब्लूट* (क्रिस्टियाना-वर्लाग, 1975) में एक समान संदर्भ,

पृ. 73-82, इस धार्मिक घटना के बारे में कुछ भी प्रकाशित नहीं हुआ है। आशा है कि यह छोटी सी पुस्तक एक दनि एक व्यापक पूरक खंड को जन्म देगी। रेगेन्सबर्ग, क्रूस के मिलने के पर्व पर, 1982 लेखक

हे पवतिर बहुमूल्य रक्त, आपकी जय हो, आओ और हम पर तथा दीन
आत्माओं पर कृपा करो!

I. क्या पवतिर आत्मा के अनुग्रह के करशिमाई कार्य आज भी हो रहे हैं?	6
II. बाइबलि में परमेश्वर की आराधना में बलदिनी रक्त	7
1. पुरानी वाचा में: हाबलि से मसिर से नरिगमन तक	7
2. सीना पर वाचा के रक्त बलदिन	8
3. मंदिर में रक्त बलदिनो को नयितरि करने वाले संस्कार संबंधी नयिम	8
4. नए नयिम में बलका रक्त।	8
III. आकर्षक रूप से प्रतभिषाली AEW की संक्षिप्त जीवनी	11
IV. 'रक्त चहिन' की उत्पत्ति पर रिपोर्ट, प्रामाणिक फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण के साथ।	16
1. अंतमि तैयारियें	16
2. प्रकट होने के स्थल की ओर	16
3. कबरस्तान के पीछे जंगल में स्वागत समारोह	19
4. शषिटाचार आपका दुश्मन है	20
5. Wfk भवन पर रात का घेराव	21
6. आकर्षक कार्यक्रम की शुरुआत	22
7. क्रूसति की दृष्टि में	23
8. मसीह के रक्तस्रावी पैरो की दृष्टि में	24
9. क्रूस पर मसीहा के पैरो पर एक चुंबन	25
10. धन्य कुंवारी मरयिम को चूमने के लिए लनिन का वस्त्र प्रस्तुत करते हुए	26
11. घर में पूजा कर रहे भक्तों पर एक नज़र	27
12. क्रूस पर चढ़ाए गए प्रेम का महान घंटा	28/29
13. नरक का प्रकोप; बंदूकों की गोलियों उपासको की कतारों में चीरती हुई	30
14. आकाश में चहिन की पहली झलक पर	31/32
15. पूजा करने वालों की भीड़ पर प्रभाव	33
16. आकाश में चहिन के आनंदमय दर्शन में	34
17. शांत मनन में	35
18. एक देवदूत के हाथ से 'जीवन का अनन्' AEW के एक मतिर को	36
19. AEW तो स्वर्ग का भोजन भी स्वर्गादूतों के हाथों से प्राप्त करता है।	37
20. आकाश का चनिह खुलेआम	38
21. स्वर्ग की रानी के प्रस्थान की प्रतीक्षा	39
22. ईश्वर की माता के आनंदमय दर्शन में	40
23. स्वर्ग से एक गंभीर संदेश	41
24. स्वर्गीय संदेश का अंतमि प्रतलिखन और वदिई	42
25. गवाह जो झूठ नहीं बोलते	44
26. सड़क से देखा गया परविर का घर	45
27. एडिडबल्यू के जीवन के अंतमि वर्षों का संक्षिप्त वविरण	46
V. रक्त प्रतीक और उसके भागों के आयामों का वविरण	48
VI. रक्त चहिन का गणतीय और ज्यामतीय वविलेषण करने का प्रयास	
1. पूरे रक्त चहिन के चारों ओर एक वृत्त, जिसमें दो अंकति	
दो समबाहु त्रिभुजों और होस्ट प्रतीक पर एक प्रतच्छिदन बटु के साथ पूरे रक्तदाग के चारों ओर एक वृत्त।	49
2. 'सुनहरी अनुपात'	49
3. होस्ट के आकार का एक चतुर्भुज, जिसे एक क्रॉस ने काट दिया है	50
VII. आर. का रक्त चहिन और धार्मिक न्यायालय	51
VIII. मूल्यवान रक्त के सम्मान में लितानी और प्रार्थनाएँ	53

IX. पवत्रि रक्त के सम्मान में पवत्रि मस्त्रि	56
X. परशिष्टि	59
1. ज्यामतीय पैटर्न के वविरणों के साथ रक्त के दाग का क्लोज-अप	59
2. दो ज्यामतीय रूप से वयुत्पन्न शैलीकृत प्याले के आकार	60
3. एक पवत्रि स्थान के लिए तल योजना	61
4. चैलाइस	62
5. कॉम्युनयिन प्याला	63
6. AEW की तस्वीरें	64

सर्वशक्तमान पवत्रि त्रमूरति,

आपने अपने एकलौते पुत्र को संसार का उद्धारकर्ता नयिकृत किया है और उनके लहू के द्वारा हमसे मेल-मलाप करना चाहा है; अतः हम आपसे वनिती करते हैं कि हमें अपने उद्धार की कीमत का सम्मान करने दें और उनकी शक्ति से इस सांसारिक जीवन की बुराइयों से सुरक्षित रखकर, हम स्वर्ग में इसके फलों का आनंद हमेशा के लिए प्राप्त करें:

उनके द्वारा,

हमारे राजा और उद्धारकर्ता, पवत्रि परमेश्वर यीशु मसीह, हमारे प्रभु। **आमीन।**

I. क्या पवतिर आत्मा के करशिमाई अनुग्रह के कार्य आज भी प्रचलित है?

'यहाँ ईसाई धर्म ठंडा पड़ गया है'—इस अवलोकन के साथ, एक अफ्रीकी पादरी ने बवेरिया में एक प्रोटेस्टेंट मंडली में ढाई साल की अस्थायी सेवकाई के बाद वदिाई ली (एमजेड संख्या 73; 27-28 फरवरी 1982)। इस प्रकार उस अश्वेत पादरी ने जानबूझकर संत फ्रांसिस के सूटगिमा के परव के लिए दैनिक प्रार्थना (पुराना मसिसल, 17 सतिंबर) में प्रयुक्त एक वाक्यांश को अपनाया है: 'Frigescente mundo... जैसे-जैसे संसार ठंडा होने लगा, हे प्रभु, आपने संत फ्रांसिस के शरीर पर अपने दुःख-संकट के चिन्हों को फरि से स्थापित किया, ताकि हमारे हृदयों में आपके प्रतीप्रेम की ज्वाला फरि से प्रज्वलित हो सके।'

कोई यह पूछ सकता है कि क्या पवतिर आत्मा, जो मसीह ने अपनी कलीसिया को शक्ति और सांत्वना के लिए वादा किया था (लूका 24:49; यूहन्ना 4:25-26) क्या हमारे अपने समय में भी बाहरी, दृश्यमान 'चिन्ह और छाप' उत्पन्न नहीं कर सकता, यह देखते हुए कि अधर्मीपन फैल गया है, कई लोगों में प्रेम ठंडा पड़ गया है, और वे 'आखिरी दिन' स्पष्ट रूप से आ गए हैं, जिनके बारे में 'आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि बहुत से लोग भटक जाएंगे' (मत्ती 24:12; 1 तीमथियुस 4:1)। इसके अलावा, जब मसीह हमें आश्वासन देते हैं कि पवतिर आत्मा, जो अपनी कलीसिया के लिए परमेश्वर के वकील हैं, 'संसार को पाप, और धार्मिकता, और न्याय के वषिय में दोषी ठहराएंगे' (यूहन्ना 16:7-8), तो इसका अर्थ केवल यह समझा जा सकता है कि उद्धार के पूरे युग में, केवल तथाकथित प्रेरित युग के दौरान ही नहीं, बल्कि उद्धार के पूरे युग में, अपने अनुग्रह के असाधारण कार्यों के द्वारा, अपनी करशिमाई देनो—बाहरी रूप से दिखाई देने वाले चिन्हों और चमत्कारों—के माध्यम से कार्य करेगा, जिनके द्वारा संसार, सांसारिक लोग और, वशिष रूप से, धर्मनरिपेक्ष ईसाई जगत, अपने शक्तिषको और चरवाहों सहित, मसीह और उसके छुटकारा दिलाने के कार्य में सच्चे वशिवास में दृढ़ किए जाएंगे, या उस पर वापस लाए जाएंगे। कृपा के करशिमाई वरदान पवतिर आत्मा के निःशुल्क वरदान हैं, जो मानव योग्यता से स्वतंत्र हैं। ये अवशिवास से गर्स्त मानवता के लिए स्वर्ग से दिए गए संकेत और चेतावनियाँ हैं, जो उन्हें मसीह और उनके सुसमाचार की ओर लौटने का आह्वान करती हैं। जब वे वदिा लेने लगे, तो यीशु ने अपने शिष्यों से—और उनके माध्यम से अपनी संपूर्ण भवषिय की कलीसिया से—वादा किया: 'जो लोग वशिवास करेगे, उन पर ये चिन्ह होंगे: वे मेरे नाम पर दुष्टात्माओं को निकालेंगे और नई-नई भाषाएँ बोलेंगे। वे साँप उठाएँगे, और यदि वे कोई घातक वस्तु पीएँगे, तो उससे उन्हें कोई हानि नहीं होगी। वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे' (मरकुस 16:17-1B)। इस वादे की पुष्टि करने के लिए, आगे कहा गया है: 'वे नकिल गए और सर्वत्र प्रचार करने लगे। और प्रभु उनके साथ काम करते थे और संदेश की पुष्टि करते थे

चिन्हों और अद्भुत कार्यों' (Mk 10:20) द्वारा।

II. बाइबिलीय पूजा में बलि का रक्त

1. पुरानी वाचा में, हाबलि से लेकर मसिर से के नरिगमन तक

बलदिन के माध्यम से ईश्वर की उपासना का पहला बाइबलि का वृत्तांत हमें बताता है: 'हेबेल ने अपनी भेड़ों के पहलौठों में से कुछ बलदिन किया। और यहोवा ने हेबेल और उसकी भेंट पर अनुग्रह की दृष्टि रखी' (उत्पत्ति 4:4)। मेमना वेदी पर जलाया गया, और एकत्र किए गए बलदिन के रक्त को पूरी तरह से बहा दिया गया वेदी पर। – कुछ ही समय बाद, हमें काइन द्वारा अपने भाई की हत्या का पता चलता है: 'वह अपने भाई हाबलि पर टूट पड़ा और उसे मार डाला' (उत्पत्ति 4:8)। प्रभु ने काइन से कहा: 'तूने क्या किया? 'तेरे भाई के लहू की पुकार भूमि से मेरी ओर चलि लाती है'" (उत्पत्ति 4:10)। इस प्रकार, हाबलि के लहू को अप्रत्यक्ष रूप से एक बलदिन के लहू के रूप में चित्रित किया गया है जो स्वर्ग की ओर पुकारता है, पूजा और धन्यवाद की आवाज़ के रूप में नहीं, बल्कि प्रतिलिपि और दंड की पुकार के रूप में (देखें प्रकाशन 6:9-10)। यही बात है जिससे प्रेरित ठीक इसी प्रकार व्याख्यायित करते हैं जब वे उद्धारकर्ता के मसीही रक्त की तुलना मारे गए हबलि के रक्त से करते हैं: 'हम उस यीशु के पास आए हैं, जो नए नियम के मध्यस्थ और हबलि के रक्त से भी बेहतर बात करने वाले रक्त से छड़के जाने के लिए हैं' (इब्रानियों 12:24)। इस प्रकार, न केवल उसका बलि का मेमना, बल्कि हबलि स्वयं भी, एक प्रकार, एक पूजाभास है जो भविष्यद्वाणी के रूप में नरिदोष यीशु की हत्या और बलदिन तथा उसके बलदिन के रक्त की ओर संकेत करता है। बलि के रक्त का महत्व और प्रभाव विशेष रूप से प्रस्थान (Exodus) में पासोवर के मेमने की बलि द्वारा प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

मसिर से निकलने के समय: 'प्रत्येक व्यक्ति अपने घर के लिए एक नरिदोष मेमना लेगा ... इस्राएल के सब पुत्र संध्या के समय उसे वध करेंगे। वे कुछ लहू लेकर अपने घरों के द्वार के दोनों खंभों और दहलीज पर लगा देंगे ... जिस घर में तुम रहते हो, उस पर लगा लहू तुम्हारे लिए रक्षा का चिह्न होगा। 'जब मैं वह लहू देखूँगा' (प्रभु कहते हैं), 'तो मैं तुम्हें पार कर जाऊँगा। इस प्रकार जब मैं मसिर की भूमि पर प्रहार करूँगा, तब मृत्यु लाने वाली महामारी तुम्हें नहीं छूएगी। कोई भी भोर तक अपने घर के द्वार से बाहर नहीं निकलेगा। यहोवा मसिर को मारने के लिए देश में होकर जाएगा। जब वह चौखट और द्वार के खंभों पर लहू देखेगा, तो वह

उस द्वार को पार कर जाएगा और मृत्यु के दूत को तुम्हारे घरों में प्रवेश करके तुम्हें मारने नहीं देगा" (नरिगमन 2:4–7, 13, 22–23)।

इस प्रकार प्रतीकात्मक पास्का के मेमने का बलदिन-रक्त परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों के लिए 'सुरक्षा का चिह्न' बन गया। इसी प्रकार, उद्धार के मसीही युग में, सच्चे पास्का के मेमने और परमेश्वर के मेमने का रक्त, भक्तपूरण श्रद्धा के माध्यम से, एक प्रभावी, अलौकिक 'सुरक्षा का चिह्न' बनना है, अपने समय की विपत्तियों में विश्वासियों के ईसाई समुदाय के लिए। – जैसा कि कलिसिया अपनी वार्षिक ईस्टर की जयंती में गाती है: 'ये ईस्टर के उत्सव हैं, जब वह सच्चा पास्का का मेमना वध किया जाता है, जिसका लहू विश्वासियों के द्वार-स्तंभों (हृदयों) को पवित्र करता है। – Cuius san-
quine postes fidelium consecrantur' (एक्सुलेट)।

2. नपर वाचा का रक्त-बलदान सनाई

'तब मूसा ने इस्राएल के जवानों को आज्ञा दी कि वे होमबल चढ़ाएँ और यहोवा के लिए मेलबलिस्वरूप पशु ज़बोह करें। मूसा ने लहू का आधा भाग लेकर पात्रों में डाल दिया। उसने लहू का दूसरा आधा भाग वेदी पर छड़िक दिया। फिर उसने वाचा की पुस्तक लेकर लोगों को ऊँचे स्वर में पढ़कर सुनाई। उन्होंने उत्तर दिया: "जो कुछ यहोवा ने कहा है, हम सब कुछ मानने को तैयार हैं।" तब मूसा ने वह लहू लेकर लोगों पर छड़िका और कहा: 'देखो, यह उस वाचा का लहू है जो यहोवा ने इन आज्ञाओं के आधार पर तुम से की है' (नरिगमन 24:5-8)। मसीह ने जब नई वाचा 'अपने लहू में' स्थापित की, तब उन्होंने 'वाचा का लहू' वाक्यांश को शब्दशः अपनाया (मरकुस 14:24)। प्राचीन वाचा के अनुरूप, नए नियम का वशिवासी—ईसाई—भी बपतिस्मा और अन्य संस्कारों में रहस्यमय तरीके से परमेश्वर के मेमने की वाचा के लहू से छड़िका जाता है। ठीक वैसे ही जैसे पहले पोप, पतरस, हमें अपनी पहली 'प्रेरितों की पत्रिका' में आशवासन देते हैं: 'तुम्हारा मोचन चाँदी या सोने से नहीं, बल्कि निरिदोष और दोषरहित मेमने के समान मसीह के बहुमूल्य लहू से हुआ है' (1 पतरस 1:18-19)।

3. मंदिर में रक्त बलदानों से संबंधित अनुष्ठानिक कानून

हमें इसके बारे में लेवियों की पुस्तक, अध्याय 1-7 में वसित नयिम मलिते हैं। इसमें कहा गया है: 'बलिका पशु प्रभु के सामने वध किया जाएगा। पर हननी के पुत्र याजक, रक्त चढ़ाएंगे और उसे वेदी के चारों ओर छड़िकेंगे। फिर याजक समूचा (बलिका मांस) वेदी पर जलाएगा, ताकि वह एक होमबलि, एक अग्नहिम, प्रभु के लिए एक सुखद सुगंध बन जाए। रक्त वेदी पर ढारने के लिए लाया जाएगा। 'कबूतर के बलदान के मामले में, खून को वेदी के किनारे नछोड़ा जाएगा' (लेव 1:5, 9, 15)। इसलिये खून बलदान का एक अनिवार्य हिस्सा है; यह वेदी के पत्थर को रंजित और पवित्तर करता है, इस प्रकार इसे वास्तव में बलदान की वेदी बनाता है। पाप-बलदानों के लिए धार्मिक अनुष्ठान संबंधी निर्देश बहुत जीवंत और नाटकीय हैं: 'अभषिक्त पुजारी पशु का कुछ रक्त लेकर मलिप-नवास में ले जाएगा। पुजारी अपनी उंगली को रक्त में डुबोकर उसे परमपवित्तर स्थान के पर्दे के सामने प्रभु के सामने सात बार छड़िकेंगे।

इसके बाद, याजक कुछ रक्त प्रभु के धूपदान वेदी के सींगों (कोनों) पर लगाएगा। पशु का सारा शेष रक्त वह दहन-बलिकी वेदी की जड़ पर ढेर देगा" (लेव 1:1-7)। 4. नए नियम में बलिका रक्त पूरे नए नियम में, मसीह के बहुमूल्य रक्त का उल्लेख 40 बार किया गया है। यीशु स्वयं अपने उद्धारक रक्त के बारे में सात बार बोलते हैं। वेदी के संस्कार के वादे पर उपदेश में हम सुनते हैं: 'सचमुच, सचमुच, मैं तुम से कहता हूँ, जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस नहीं खाते और उसका रक्त नहीं पीते, तुम मेरे जीवन नहीं होगे। जो कोई

जो मेरा मांस खाता और मेरा रक्त पीता है, उसमें अनंत जीवन है, और मैं

"मैं उसे अंतमि दनि में जलिया उठाऊँगा। क्योंकि मेरा मांस सच्चा भोजन है और मेरा रक्त सच्चा पेय है। जो कोई मेरा मांस खाता और मेरा रक्त पीता है, वह मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें" (यूहन्ना 6:53-56)। यूखरसितिकि रहस्य की स्थापना के समय, हम पढ़ते हैं

: 'तब यीशु ने प्याला लिया, धन्यवाद किया और उन्हें यह कहते हुए दिया, "तुम सब इसमें से पीओ; क्योंकि यह मेरे (नए) नयिम का लहू है, जो बहुतों के लिए पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है"' (मत्ती 26:27-28)। मरकुस 14:24 में कहा गया है: "यह (नए) नयिम का मेरा रक्त है, जो बहुतों के लिए बहाया जाता है।" और लूका 22:20 में हम पढ़ते हैं: 'यह प्याला मेरे रक्त में नए नयिम का है, जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है।' मसीह के वरिधियों के मुँह से हम प्रभु के रक्त का उल्लेख चार बार सुनते हैं। यहूदा फाँसी के फंदे की ओर बढ़ता है, चलिताते हुए: 'मैंने पाप किया है; मैंने नरिदोष रक्त का वशिवासघात किया है' (मत्ती 27:4)। पलातुस रक्तपात से अपने हाथ धोने के लिए कहता है: 'मैं इस धरमी मनुष्य के रक्त से नरिदोष हूँ। तुम स्वयं इसका ध्यान रखना' (मत्ती 27:24)। उनके न्यायिक सुनवाई के दौरान, महायाजक प्रेरितों पर आरोप लगाते हैं: 'तुम इस मनुष्य का लहू हम पर डालने का यत्न कर रहे हो' (प्रेरितों के काम 5:28)। फरि भी वास्तव में, यह स्वयं महायाजक ही था जिसने ऐसा किया जब उसने पतरस से पुकार कर कहा: 'उसका लहू हम पर और हमारे बच्चों पर पड़े' (मत्ती 27:25)। प्रेरित पौलुस अपनी पत्रियों में, जिसमें इब्रानियों को लिखा पत्र भी शामिल है, मसीह के छुटकारा दिलाने वाले रक्त के बारे में 18 बार बात करते हैं। यहाँ केवल कुछ अंश ही उद्धृत किए गए हैं। 'परमेश्वर (पति) ने इस यीशु को उनके लहू के द्वारा प्रायश्चिति का बलदान करके प्रसूत किया, जो वशिवास के द्वारा प्रभावकारी है' (रोम 3:25)।

- "उसमें हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा मिला है, अर्थात् पापों की क्षमा" (इफसियों 1:7)। - 'उसने क्रूस पर अपने लहू के द्वारा मेल-मिलाप किया' (कुलुससियों 1:20)। - 'मसीह का लहू, जिसने अनन्त आत्मा के द्वारा स्वयं को दोष रहित परमेश्वर को अर्पित किया, वह हमारे वविक को मृत कर्मों से शुद्ध कर देगा' (इब्रानियों 9:14)। - प्रेरित के पत्रों से यूहन्ना: 'यीशु का लहू, उसके (पति का) पुत्र, हमें हर पाप से शुद्ध करता है' (1 यूहन्ना 1:7)। - 'यीशु, परमेश्वर का पुत्र—वह वही है जो पानी और लहू से आया' (बपतस्मा का जल और उद्धारकर्ता का लहू; 1 यूहन्ना 5:6)। - अपनी सुसमाचार में, प्रिय शिष्य, जो क्रूस के ठीक बगल में खड़े एकमात्र प्रेरित थे, हमें बलदान के रक्त की प्रामाणिक गवाही देते हैं प्रभु: 'सपिहियों में से एक ने भाले से उसकी पसली में भेद दिया, और तुरंत ही लहू और पानी बह निकला' (यूहन्ना 19:34)। - इस सुसमाचार प्रचारक की एक और गवाही हमें मोहित कर लेती है। वह यीशु के साथ अपनी पहली मुलाकात का सारांश इन शब्दों में देता है: 'अगले दनि, यूहन्ना (बपतस्मा देने वाला) फरि से अपने दो शिष्यों के साथ वही खड़ा था। जब उसने यीशु को पास से गुजरते देखा, तो वह चलिंलाया: "देखो, परमेश्वर का मेमना!" जैसे ही जैसे ही उन दो शिष्यों (जिनमें से एक स्वयं सुसमाचार लेखक थे) ने उसे यह कहते सुना, वे यीशु के पीछे हो लिए" (यूहन्ना 1:35-36)।

अपनी प्रकाशतिवाक्य की पुस्तक में, यूहन्ना हमें मसीह के अपने करशिमाई दर्शन का वर्णन करते हैं: 'मैंने मेम्ने को सहिसन के बीच, और चारों जीवति प्राणियों और बुजुर्गों के बीच खड़ा हुआ देखा, मानो वह वध (बलदान) किया गया हो।' और संतो ने एक नया गीत गाया: 'हे मेम्ने, तू पुस्तिका लेने और उसकी मुहरे खोलने के योग्य है; क्योंकि तुझे वध किया गया, और अपने लहू से तूने परमेश्वर के लिए लोग मोल लिए' (प्रकाशतिवाक्य 5:6, 9)। यह स्पष्ट है कि वध किए गए मेम्ने ने, यूहन्ना ने मसीह को परमेश्वर के बलदान किए गए मेम्ने के रूप में देखा, जो क्रूस पर मृत्यु तक लहू बहा रहे थे।

इस प्रकार, वध किए गए, रक्तस्राव कर रहे द्रव्य-मानवीय बल के मेम्ने के दर्शन ने यूहन्ना के आरंभ से अंत तक के पूरे विश्वास, उसकी संपूर्ण स्मृति, उसकी पूर्ण कृतज्ञता, लालसा और परेम को आकार दिया, और सही मायने में उसे 'प्रिय शिष्य' का नाम दिलाया, वह शिष्य 'जिसी यीशु परेम करते थे, जो भोज में उनकी छाती पर झुका था' (यूहन्ना 13:23; 21:20)। –

प्रभु के महान आगमन तक, जोन के सदैव अपने सदृश अनुयायी रहे हैं और रहेगे, जिनमें मसीह के लहू की उसकी करशिमाई दृष्टि के संबंध में भी शामिल हैं, और वह इस प्रकार के साथ उनकी लालसा करता है: 'वेनी, डोमनि इसु. आओ, हे प्रभु यीशु' (प्रकाशतिवाक्य 22:20)। – यह ध्यान देने योग्य है कि गोगोथा पर मसीह के मेम्ने की खूनी बलदान के साठ से अधिक वर्षों बाद, यूहन्ना ने परमेश्वर के वध किए गए मेम्ने का करशिमाई दर्शन देखा था और, दशकों तक, स्वयं अपने यूखरसितिकि सेवा के दौरान वेदी पर परमेश्वर के मेम्ने की बलदान।

क्या सर्वशक्तिमान परमेश्वर का पुत्र, जिसके लिए 'एक हजार हजार वर्ष एक दिने के समान हैं' (2 पतरस 3:8), अपनी स्वर्गीय रूपांतरण के बावजूद, हमारे अपने समय में भी ऐसा नहीं कर सकते? 'परमेश्वर के नकिट कुछ भी असम्भव नहीं' (लूका 1:37)।

III. आकर्षक रूप से प्रतभाशाली AEW का एक संक्षिप्त जीवनीपरक विवरण

ईस्टर के दिने 1952 में, मुझे राइन पैलाटनिक के छोटे से शहर आर. में, डबल्यूएफके परिवार के भीतर, जर्मन राज्यों के पश्चिमी सीमा क्षेत्र में, अजीब धार्मिक घटनाओं की खबर मिली। पत्रों के आदान-प्रदान के बाद, 7 मई 1952 को मुझे संबंधित व्यक्तियों से एक लिखित उत्तर मिला।

मैंने AEW ने लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की कि अंततः एक पादरी से शुभकामनाओं का पहला संदेश उन्हें मिला। उन्होंने यह अनुरोध भी किया कि मैं उनमें कुछ रुचि लूँ, क्योंकि उनका मानसिक कष्ट उनके शारीरिक दर्द से कहीं अधिक था। अतः कुछ समय बाद मैं स्वयं स्थितिका निरीक्षण करने R. गया।

मैंने उनके पिता का अभिवादन किया, जो पचास की उम्र के आसपास, मध्यम कद के एक व्यक्ति थे और P. की एक जूता फैक्ट्री में फोरमैन थे।

वह अपनी पाँच बेटियों और एक बेटे वाले परिवार का भरण-पोषण करने के लिए भोर से शाम तक अथक परिश्रम करता था। उसकी शांत, अंतर्मुखी प्रकृति, जो अपनी सभी स्पष्ट परेशानियों के बावजूद एक दोस्ताना मुस्कान दिखाने में कामयाब रहती थी, का एक सुखद शांतदायक प्रभाव था। फरि भी, उसे भी अपने ही देशवासियों की शत्रुता सहनी पड़ी, जनिहें उसने अपने पूरे जीवन में कभी किसी विवाद का कारण नहीं दिया था। केवल अपनी बेटी के चारों ओर घटी असाधारण घटनाओं के कारण, उन लोगों के उकसावे पर जिनसे इसकी सबसे कम उम्मीद थी, उन्हें जून 1952 में कारखाने से बर्खास्त कर दिया गया, और वह एकमात्र कर्मचारी थे जनिहें नकाला गया। एफडब्ल्यूके परिवार को अपमान और दरदिरता की स्थिति में ला दिया जाना था। जब पिता को नौकरी से नकाले जाने के बाद घर लौटा, तो वह अपने कमरे में गया, अपनी भीतरी पीड़ा को छपाते हुए, बसितर के कनारे घुटनों के बल बैठ गया और रोज़री की प्रार्थना करने लगा। - लंबी, दुबली-पतली काया वाली माँ के पतले चेहरे पर गहरे, दुखद कष्ट के थके-हार भव थे। वह भोर में सबसे पहले उठती थी और देर शाम तक सोने नहीं जाती थी, अथक रूप से सक्रिय और अपने बड़े परिवार के प्रतिसमर्पित थी। उसका सबसे बड़ा दुःख यह था कि उसे और उसके परिवार को—जनिहें पादरी ने, पछिली गर्मियों में ही, पूरे गाँव के सर्वश्रेष्ठ लोगों में गनिते हुए एक लिखित प्रमाणपत्र दिया था—बना किसी तार्किक औचित्य के उपदेश-मंच से बहिष्कृत कर दिया गया था और प्रभावी रूप से चर्च की प्रार्थना सभाओं में शामिल होने से रोक दिया गया था। मैंने उसे देखा

सुबह-सुबह घंटियों बजते ही चुपचाप, जब वह आँसुओं से भरी आँखों से खड़की से होकर चर्च के मीनार को नहिर रही थी। अपने बच्चों की बड़ी संख्या के बावजूद, उसे सबसे घनीनी सार्वजनिक अपमान और उपहासपूर्ण तुलनाओं से भी नहीं बख्खा गया। वह अपनी बड़ी बेटियों के साथ बुनाई का एक छोटा सा व्यवसाय चलाती थी। माना कि, उनके दुर्भावनापूर्ण वरिधियों द्वारा आयोजित एक औपचारिक बहिष्कार के कारण यह मामूली आजीविका भी लगभग असंभव हो गई थी। कहा जाता था कि विल्क्स (Wifks) पागल और उन्मादी हो गई थी, ठीक वैसे ही जैसे वे सभी जो उनके साथ खड़े थे और उनके साथ शाम की माला का पाठ करते थे। हालाँकि, इस मामले ने अप्रत्याशित रूप से वह हासिल कर लिया था जो पैरिश के पादरी अपने वहाँ के 25 वर्षों के मंत्रालय में करने में असफल रहे थे, अर्थात् उनके पैरिवासी उनके पीछे एकजुट हो गए थे। फरि भी, भेड़े वास्तव में अपने चरवाहे—और यहाँ तक कि कोल्पगि सोसाइटी के अभिजात वर्ग—के पीछे कतिनी कम खड़ी थी, यह 26 मई 1952 के परिपत्र के एक उद्धरण से प्रदर्शित होता है: 'कोल्पगि परिवार एक ऐसे संकट में है जो उसके अस्तित्व के लिए खतरा है। यदि यह अपने सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से और लिखित में पूछता है, और अधिकांश लोग इस नमिंत्रण का जवाब भी नहीं देते, तो डेनमार्क की स्थिति में कुछ गड़बड़ है। यह न केवल 11 मई को, बल्कि पछिले थिएटर कार्यक्रम में भी ऐसा ही था। यदि केवल 10-20 लोग एक अनविध्य बैठक के लिए आते हैं, तो कुछ गड़बड़ है। लेकिन अगर अब

उसी सदस्यों का समूह इतनी संगठित तरीके से काम करता है कि वे एक धार्मिक लड़की और उसके रक्षितेदारों को ऐसे सताते हैं मानो वे आसान शिकार हों – हम इसके बारे में बाद में और जानेगे – तो फरि डेनमार्क की स्थिति में भी कुछ गड़बड़ थी।" 1925 के सेंट स्टीफंस डे पर, श्री और श्रीमती Wfk की तीसरी सबसे बड़ी बेटी का जन्म हुआ; उसका नाम AE रखा गया। उन्होंने अपने गृह नगर के प्राथमिक विद्यालय में आठ साल तक पढ़ाई की और, नाजी काल के दौरान, ब्रेस्लाउ के पास न्यूमार्कट में हटिलर यूथ में अपना अनिवार्य वर्ष पूरा किया। फरि उन्होंने पी. में छह महीने का वाणज्यिक पाठ्यक्रम किया और, इसे सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, जी. के. की लकड़ी की मल में एक लपिकि सहायक बन गईं। वहां से वह जल्द ही पी. जिला बचत बैंक, आर. शाखा में चली गईं, जहां उन्होंने 1943 से 1951 तक काम किया। उस समय के नदिशक से प्राप्त प्रथम श्रेणी का प्रमाणपत्र इसे पुष्ट करता है। एक लड़की के रूप में, AEW एक सुंदर दिखने वाली युवती थी, जिसकी लंबाई 1.70 मीटर थी, और उसके बाल काले, कुछ हद तक पतले थे, जो बचपन की एक बीमारी के दौरान झड़ गए थे लेकिन, जैसा कि उसने दावा किया, वाल्डुरन की तीर्थयात्रा के बाद कुछ हद तक फरि से उग आए थे। वह हमेशा साफ-सुथरी और साफ-सुथरे कपड़े पहनती थी, हालांकि वह आकर्षक या बहुत अधिक आभूषण पहनकर नहीं चलती थी। खसरा और ड्यूसरि के बचपन के रोगों के अलावा, दस साल की उम्र से वह लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों से पीड़ित थी, जिनोंने बदले में उसके शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित किया। उसकी माँ के अनुसार, उसने इन सभी बीमारियों को बहुत धैर्य से सहन किया। 1945 में, फ्राइबर्ग इम ब्राइसगाउ की यात्रा के दौरान, जब सामान का एक टुकड़ा उस पर गरि गया तो उसे सरि में गंभीर चोट लगी। जुलाई 1951 में स्विट्जरलैंड में छुट्टियों के दौरान उनके साथ एक जानलेवा दुर्घटना हुई। जब वह अपर राइन पर वाल्डशुट में सड़क पार करने की कोशिश कर रही थी, तो एक मोटरसाइकलि चालक ने उन्हें पूरी ताकत से टक्कर मार दी और हवा में उछाल दिया, जिससे वह बेहोश होकर गरि पड़ी। अन्य गंभीर चोटों के अलावा, उन्हें एक गंभीर मस्तिष्क आघात लगा। चूंकि उन्हें ले जाया नहीं जा सकता था, इसलिए उन्हें वाल्डशुट अस्पताल में भरती कराया गया। मस्तिष्क आघात के परिणामस्वरूप, उन्हें गंभीर दौरे पड़ने लगे, जो उनके गृहनगर वापस आने के बाद और तेज हो गए। AEW के लिए, यह एक आध्यात्मिक शुद्धिकरण की शुरुआत थी, जिसके बारे में धर्मग्रंथ कहता है: 'ईश्वर ने उसकी परीक्षा ली और उसे अपने योग्य पाया। आग में सोने की तरह, उन्होंने उसकी परीक्षा ली और फरि उसे एक होमबर्ल के रूप में स्वीकार कर लिया' (Wsh 3:6)। AEW के लिए, यह एक ही समय में उसकी तैयारी और उसके करिश्माई उपहार की ओर ले जाने वाला मार्ग था। एक दर्शन में, धन्य कुंवारी मरियम ने उनसे कहा कि उन्हें ठीक कर दिया जाएगा, विशेष रूप से 24 नवंबर को, जो उस समय 'डॉक्टर मसिटकिस', संत जॉन ऑफ द क्रॉस का पर्व दविस था, साथ ही कारमेलाइट ऑर्डर की सुधारक, स्पेन की संत टेरेसा का भी। फरि चंगाई अचानक और पूरी तरह से हुई। उस समय के बाद, उन्हें फरि कभी दौरा नहीं पड़ा। विशेषज्ञों सहित सभी डॉक्टरों ने इस बीमारी को लाइलाज घोषित कर दिया था और उसके नकिट मृत्यु की भविष्यवाणी की थी। उसके दिनि बाधति हो गए थे **12**

उसके शारीरिक ठीक होने के बाद, वह एक बलिकूल अलग तरह के दुख से गुज़री, जो स्वर्ग से भेजा गया था। यह मसीह के दुख-संकट, कोड़ों की पट्टाई का एक रहस्यमय पुनः-नाट्य था, और साथ ही एक आंतरिक दाग, जो बाहरी दुनिया से अदृश्य था, जो लेंट के दौरान और वशिष्ठ रूप से 1952 के वर्ष में महासंवत्सर गुरुवार और गुड फ्राइडे को हुआ। उस दिन की देर दोपहर में, वह मृत्यु जैसी बेहोशी में चली गई, और केवल ईस्टर पर ही—बन्या कसिी प्राकृतिक दवा के—ताज़गी के साथ जागी तथा प्रभु के पुनरुत्थान के आनंद में सहभागी हुई। हालांकि उनके रशितेदारों द्वारा बार-बार अनुरोध किया गया, चर्च का कोई प्रतिनिधि इन घटनाओं का नरीक्षण और जांच करने के लिए कभी नहीं आया, जिसके परिणामस्वरूप संबंधित रपिर्टों, जनिहें फरि भी उच्च चर्च प्राधिकरणों को भेजा गया था, का तथ्य या साक्ष्य के आधार पर कोई मूल्य नहीं है। मैं स्वयं इन घटनाओं का प्रत्यक्षदर्शी नहीं था; परिवार के साथ मेरा समय बहुत कम और वरिले ही था। हालांकि, मैंने कई लंबे खून के धबबों वाले कपड़ों के टुकड़े देखे, जो चाबुक के कारण हुए हो सकते थे। इस अवधि के दौरान बाहरी, हसिक उत्पीड़न की भी कोई कमी नहीं थी। 8 जनवरी 1952 की शाम को, चार

अज्ञात व्यक्तियों द्वारा, जिसके दौरान उसके सिर पर कसिी कठोर वस्तु से बुरी तरह मारा गया, जिससे उसे एक और मस्तषिक आघात हुआ और तीव्र, लंबे समय तक रहने वाला दर्द हुआ। हालांकि, पहले के दौरे दोबारा नहीं आए। नवंबर 1951 से जून 1952 के अंत तक उनकी दर्शनों वाली करशिमाई जीवन जारी रही, जिसमें धन्य कुंवारी मरयिम, पीड़ित और पुनर्जीवित उद्धारकर्ता, संत जोसेफ—जनिहोंने उनसे एक वदिशी (अरामी) भाषा में बात की—और संत जेम्मा गालगानी के बार-बार प्रकट होने शामिल थे। क्रसिमस 1951 में उनकी नरिवासन के बाद से, एक प्याला और होस्ट (पवतिर रोटी) लिए एक देवदूत भी बार-बार प्रकट हुआ, जो रहस्यमय तरीके से उन्हें और उनके माता-पिता के घर में उनके साथ माला की प्रार्थना करने वाले सभी लोगों को 'जीवन की रोटी' प्रदान करता था, जैसा कसि्वयं ईश्वर के दूत ने इस आध्यात्मिक सहभागिता के रूप को कहा था। उसके दूरदर्शी अनुभव की अंतिम और समापन घटना के रूप में, उसे बताया गया था कि धन्य कुंवारी मरयिम और उद्धारकर्ता 1 जुलाई 1952 को उसके सामने प्रकट होंगे। उसे उस दिन सभी के देखने योग्य एक संकेत का वादा किया गया था, ताकि हर कोई विश्वास कर सके। यह कबरसितान के पीछे एक जंगली इलाके में, जनता की पूरी नज़रों के सामने होने वाला था। उसकी वनिती पर, ईश्वर की माता ने 2 जुलाई, वज़िटिशन के पर्व पर, एक बार फरि आने का वादा किया, ताकि वह उससे वदि ले सके, और वह भी उसके घर पर।

उन्हें एहसास हुआ कि यह वदिई उनके लिए बहुत दर्दनाक होगी, और वह उस समय दूसरों की नज़रों के सामने आना नहीं चाहती थी। स्वर्गीय माता ने इस अनुरोध को मान लिया। उनके चरतिर और मौलिक धार्मिक दृष्टिकोण को यहाँ केवल मोटे तौर पर ही रेखांकित किया जा सकता है, जैसा कि अपेक्षाकृत कम अवलोकन अवधि की अनुमति है। अपने विचारों और नरिणयों में, AEW ने एक वविकपूरणता दिखाई जो कभी-कभी धार्मिक मामलों में भी तर्कवाद के करीब थी। इस प्रकार, अपने स्वयं के करशिमाई अनुभवों के समय तक, उन्होंने न केवल सभी हाल के प्रकटनों को खारजि कर दिया, बल्कि लूट और फातमा की भी आलोचना की। उदाहरण के लिए, जब उनकी कुछ कमजोर साथी बहन ए. को एक

लूट की तीरथयात्रा पर, AEW ने टपिपणी की: 'यह अधिक बुद्धिमानी होगी यदि वह ऑलगाउ जाए और वहाँ आराम करे', एक टपिपणी जिस पर, हालाँकि, उसे अपनी माँ से कड़ी फटकार सुननी पड़ी, साथ ही रोम की यात्रा पर प्रतर्बिध भी लगा दिया गया, जिसकी अनुमति उसे अनूया दी गई होती। वह अपने स्वयं के दर्शनों को भी तुच्छ समझती थी और चाहती थी कि धन्य कुँवारी उन्हें उनकी छोटी बहन, सी. को प्रदान करे। धार्मिक मामलों में, वह हर तरह के कट्टरपंथ और भावनात्मक अतविद से वसुख थी। तब भी, वह उन लोगों में से नहीं थी जो अक्सर प्रार्थना करते थे। हालाँकि, जब वह प्रार्थना करती थी, तो वह उस कार्य में पूरी तरह से तल्लीन हो जाती थी। उन्हें कैथोलिक भक्तों के वास्तव में आवश्यक पहलुओं की तीव्र समझ थी। एक बातचीत में, उन्होंने मुझसे बहुत सहजता से कहा: 'मैंने हमेशा मास की पवतिर बला को सबसे कीमती प्रार्थना माना है। अगर मैं इसमें शामिल नहीं हुई होती, तो मुझे लगता कि उस दिन मेरी बाकी सभी गतिविधियाँ बेकार थी।' मैं यह कह सकता हूँ: मैंने कभी भी पवतिर मसिसा में भाग नहीं लिया है बनिा पवतिर कुमयूनयिन ग्रहण किए। मेरे लिए, यह उद्धारकर्ता के शब्दों जैसा लगता: 'बुलाए गए योग्य नहीं थे' (मत्ती 22:8)। – उन्हें किसी को भी अपनी आत्मा के आंतरिक जीवन और अपनी प्रार्थना के जीवन में झाँकने देना मुश्किल लगता था। जब उसने संक्षेप में एक धर्मनरिपेक्ष धर्मशिक्षक का उल्लेख किया जिसने दावा किया था कि ध्यानमग्न प्रार्थना केवल शक्तिशाली लोगों के लिए है, तो वह इस टपिपणी पर मुसकुलाई और फिर प्रसन्न हुई जब मैंने उसे ध्यानमग्न प्रार्थना पर एक पत्रक दिया। वह अक्सर रात में केवल कुछ घंटे ही सो पाती थी। जब उससे पूछा गया कि वह रात के लंबे घंटों को कैसे बताती थी, तो उसने जवाब दिया: 'मैं सोचती हूँ।' यह वही उत्तर है जो संत टेरेसा ने एक छोटी लड़की के रूप में दिया था, जब उनसे पूछा गया था कि वह अपने शांत क्षणों में क्या करती है: ईश्वर और उनकी महानता, उनकी सर्वव्यापकता, उनकी दया और उनके प्रेम के बारे में सोचती; उनका धन्यवाद करती और उनसे प्रेम करती। उनमें तीव्र बौद्धिक प्रवृत्ति और एक मजबूत इच्छाशक्ति थी, जिन्हें केवल सबसे कठोर तर्क से ही मनाया या प्रभावित किया जा सकता था। साथ ही, उनमें स्वाभाविक प्रसन्नता और जीवन के प्रति उत्साह था, और वे तर्कसंगत और सत्य की हर बात के प्रति खुले वचिारों वाली थी। मानव स्वभाव में अपनी अंतर्दृष्टि के बारे में, उन्होंने एक बार टपिपणी की: "मैं बस उनकी आँखों और उनके हाथों में देखती हूँ, और फिर मुझे पता चल जाता है कि मैं किससे नपित रही हूँ।"

वह प्रकृति को ईश्वर की एक महान चतिर-पुस्तक के रूप में रुचि और आनंद के साथ देखती थी। एक शाम, जब मैं रसोई में उनसे बात कर रहा था, तो उन्होंने अचानक शुद्ध आनंद के साथ कहा: 'देखो, एक छोटा चूहा! कतिना प्यारा! मैं इसे चोट नहीं पहुँचा सकती। मैं किसी इंसान पर ऑपरेशन कर सकती हूँ, लेकिन मैं किसी छोटे जानवर को कभी नुकसान नहीं पहुँचा सकती।' उनकी माँ ने एक बार AEW के बारे में अपने वचिार को इस प्रकार संक्षेप में बताया: "AE में उनके युवा काल से दो गुण थे: एक दुख सहने में अटूट धैर्य, जहाँ वह तब तक एक शब्द भी नहीं बोलती थी जब तक वह और सहन नहीं कर सकती थी – और वह दस साल की उम्र से ही कष्ट सह रही थी – साथ ही अपने पड़ोसी के प्रति अपार, करुणामय प्रेम, जो जहाँ भी हो सके मदद करने का प्रयास करता है।" हालाँकि, मैं देख सकता था कि उस लड़की को अक्सर गलत समझा जाता था, वशिष रूप से बाद वाली वशिषता के संबंध में, और कभी-कभी वह खुद भी खुद को समझने में मुश्किल होती थी। उसकी माँ ने मुझसे कहा कि यहाँ तक कि वह रशिता भी

AE का एक ऐसे युवक के साथ रिश्ता, जिससे उसकी सगाई कुछ समय से (उसके परिवार की जानकारी के बिना) हुई थी, अधिकतर उसकी असीम करुणा का मामला था, क्योंकि वह बीमार था और वह उसकी मदद करना चाहती थी। AE एक समझ की तलाश में जुटी युवा व्यक्ति थी, जो 1952-53 के वर्षों में कई मायनों में उस समय पूरी तरह से परिपक्व नहीं हुई थी। उसका तीव्र क्रोधी स्वभाव लंबे समय तक उसे परेशानी देता रहा। मनमानी की प्रवृत्ति, अत्यधिक करुणा, और एक आत्मविश्वास जो कभी-कभी वविक की सीमाओं को अनदेखा कर देता था

अभी भी उसके लिए गंभीर परीक्षाएँ पैदा कर सकती थीं। न ही उसने कुछ आदतों का—जो शायद उसकी लंबी बीमारी के दौरान उत्पन्न हुई थीं—पर्याप्त दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला किया था, यह एक तथ्य था जिसने भी उसके लिए कम कठिनाइयाँ नहीं खड़ी कीं। उस समय उसे समझदारी भरी दयालुता के साथ, लेकिन उतनी ही दृढ़ता के साथ मार्गदर्शन करने के लिए एक मजबूत हाथ की आवश्यकता थी। फरि भी, यहाँ संबंधित अधिकारियों द्वारा अपनाए गए अजीब रुख के कारण ही इसमें बाधा आई। जहाँ तक चर्च के प्रति उसके रवैये का सवाल है, वह अपने कटु अनुभवों के बावजूद उससे वफादार रही। नसिस्देह, उसके आसपास के करिश्माई घटनाओं के सच्चे मूल्यांकन और रपिर्गटि के लिए चले तीव्र संघर्ष में, हो सकता है कि उसने हमेशा संयम का सही माप न पाया हो। वह पादरी वर्ग के प्रति गहरी शर्द्धा रखती थी और पवतिर पतिता, जो उस समय पायस XII थे, के प्रति आनंदपूर्ण शर्द्धा से भरी हुई थी। इसलिए उन्होंने उस नषिकासन की सजा को, जो उन पर और उनके परिवार पर नरिधार रूप से लगाई गई थी, अपनी सबसे बड़ी आध्यात्मिक पीड़ा के रूप में अनुभव किया। जून 1952 के मध्य में, उन्होंने स्पेन में अपने बशिप को एक बार फरि पत्र लिखा, जिसमें व्यक्तिगत बैठक में सब कुछ समझाने की अनुमति मांगी गई। उसने आशा व्यक्त की कि, एक बार जब वे मामलों की वास्तविक स्थिति से अवगत हो जाएँगे, तो महाधरमाध्यक्ष नसिस्देह लगाई गई सजा को हटा देंगे। हालाँकि, उसे कोई जवाब नहीं मिला। यह संभव है कि पत्र, भले ही व्यक्तिगत रूप से बशिप को संबोधित किया गया था, उन्हें नहीं मिला। चूंकि चर्च प्राधिकरणों के एक फरमान द्वारा मुझे अगस्त 1952 की शुरुआत से AEW मामले में किसी भी आगे की भागीदारी से प्रतिबंधित कर दिया गया था, मैं उस बटु से आगे कोई भी सलाहकार या पास्टोरल प्रभाव डालने में सक्षम नहीं था, और मैं एक पूरी पीढ़ी के लिए सार्वजनिक रूप से चुप भी रहा हूँ। हालाँकि, चूंकि अब इसे पोप के फरमान (AA.S. 58; 1966) एक पापल डकिरी (AA.S. 58; 1966) के अनुसार, अब चर्च की अनुमति (imprimatur) के बिना प्रकट होने और चमत्कारों पर रपिर्गट प्रकाशित करना नषिदिध नहीं है, इसलिए मैंने अपनी मृत्यु से पहले जनि यूखरसिटिक घटनाओं का मैंने नकिट से अनुभव और अवलोकन किया था, उनके बारे में गवाही देना अपने वविक का कर्तव्य समझा (मैं अब अपनी 78वीं

) – ऐसा प्रतीत होता है कि AEW से जुड़ा पूरा मामला ईश्वर की एक रहस्यमय योजना पर आधारित है, जिसका उद्देश्य किसी न किसी तरह इस समय चर्च की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करना है; फरि भी, इसके आंतरिक संबंध और वचितिरताएँ तब ही वास्तव में समझ में आएँगी जब यह पूरा आंतरिक और बाहरी जटिल क्रम अपना चक्र पूरा कर लेगा। ईश्वर करे कियह क्षण बहुत दूर न हो।

IV. 'रक्त चहिन की उत्पत्ति पर प्रामाणिक फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण सहित रिपोर्ट

ल. 1 जुलाई 1952 को घोषित चमत्कारिक चहिन के लिए अंतिम तैयारियों, एक स्वरगदूत के निर्देशानुसार, AEW को 40 × 40 सेमी माप का एक छोटा मोटे लनिन का कपड़ा तैयार करना था। चूंकि मिस AEW मुझे पहले ही पत्राचार और व्यक्तिगत रूप से जान चुकी थीं, उन्होंने 31 मई और फरि 13 जून 1952 को एक दर्शन में हमारी माता से पूछा कि जब चहिन दिया जाएगा तो क्या यह पादरी उपस्थिति होना चाहिए। उन्हें निम्नलिखित उत्तर मिला: 'मुझे खुशी होगी अगर वह उपस्थिति हो।' इसलिए मैंने 1 जुलाई 1952 को आर. की यात्रा करने का फैसला किया, और यह भी कि मैं कुछ परिचितों के साथ सवारी का लाभ उठा सकूँगा। हालाँकि, मैं खुद उस कपड़े के बारे में उस समय तक कुछ नहीं जानती थी, और यह सब किस बारे में था, इस बारे में तो और भी कम जानती थी। 1 जुलाई को दोपहर के करीब AEW ने मुझसे भरोसा करके बताया कि उसे मुझे एक छोटा सा कपड़ा देना है; हमारी माता ने उसे ऐसा करने का निर्देश दिया था।

फरि उन्होंने इसे मुझे देते हुए कहा कि मैं इसे ध्यान से जांच लूँ ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उस पर कुछ भी नहीं है। इसका आकार कॉर्पोरेट (बलविंदी-आवरण) जैसा था, जो एक पुजारी पवित्र मस्सा के दौरान बलविंदी पर रखने के लिए उपयोग करता है।

उस पर प्याला रखने के लिए। मुझे प्रकट होने के समय के लिए वह छोटी सी कपड़ा अपने साथ रखना था और उसे तब तक उसे नहीं देना था जब तक कि वह प्रकट होने के दौरान इसे न मांगे। हालाँकि, ठीक उससे पहले, मुझे इसे उपस्थिति सभी को दिखाना था और इसे इधर-उधर घुमाना था ताकि हर कोई खुद देख सके

कि उस पर किसी भी तरह से उभार या नशान नहीं था।

ईडब्ल्यू ने 1 जुलाई 1952 का दिन उस महान घड़ी की शांत तैयारी में बताया। उसे दुष्ट शत्रु से भी भयंकर प्रलोभनों का सामना करना पड़ा, जो उसे अनिच्छा और नरिशा में धकेलना चाहता था।

जैसे-जैसे घोषित प्रकट होने का समय नजदीक आता गया, यह संघर्ष तीव्र होता गया। मैंने उन्हें जैतून की पहाड़ी पर यीशु की याद दलाकर सांतवना देने की कोशिश की, जनिहोंने उनसे कहीं ज्यादा कष्ट सहें थे।

2. प्रकट होने के स्थल की ओर जाते समय

लगभग रात 8.00 बजे, Wfk परिवार के दोस्तों और परिचितों ने ध्यान आकर्षित न करने के लिए, छोटे-छोटे समूहों में कबरस्तान की ओर प्रस्थान किया।

गाँव के किनारे स्थित कबरस्तान से और वहाँ से उस जंगली स्थान तक, जसि हमारी लेडी ने इस घटना के स्थल के रूप में निर्धारित किया था, जो चर्च के लगभग आधा किलोमीटर पीछे था।

गोटेसाकर। उनके साथ मुख्य संपादक डब्ल्यू. श. और उनके फोटोग्राफर ई. एच. थे, जो मेरे साथ आए थे। उनका स्वागत उठाए हुए मुठ्ठलियों (चित्र) से किया गया और उन्हें धमकी दी गई कि उनके पति के

अगर उन्होंने तस्वीरें लेने की हिम्मत की। रात 8.30 बजे, AEW भी अपनी माँ (उनके पति देखभालकर्ता के रूप में घर पर रहे), अपनी बहन और अपने भाई के साथ पहुँची। मैं भी उनके साथ शामिल हो गया। जैसे ही हमने सामने का दरवाज़ा बंद किया, गाली-गालीज और उपहास की चीखें सुनाई देने लगीं। फरि भी, हम जंगल की ओर जाने वाले कबरस्तान के निकास तक पहुँचने तक अपने रास्ते पर चलते रहे। वहाँ, पुरुषों की एक बंद कड़ी ने हमारा रास्ता रोक लिया,

हमारे कबरस्तान से बाहर निकलने और अपनी राह जारी रखने को जबरदस्ती रोक दिया।

हम पर जो अपमानजनक और धर्मनिरासक बातें चलि आई गई, वे इतनी घृणाति हैं कि दोहराई नहीं जा सकती। कुछ लोग तो मुझ पर शारीरिक हमला करने तक भी पहुँच गए। मैंने उनसे पूछा कि शांतिपूर्ण लोगों को एक सार्वजनिक मार्ग तक पहुँचने से रोकने का अधिकार उन्हें किसने दिया है, और उनसे उनका पुलिस का अधिकार-पत्र दिखाने का अनुरोध किया। जवाब में एक जोरदार हंगामा हुआ और साथ में चलि लाहटे भी: 'हम कोल्पिंग सोसाइटी से हैं।' 'हे धर्मद्रोही, हे झूठे कुत्ते' और इस तरह की अन्य गालियाँ मुझे दी गई। जब मैंने एक बार फिर उनसे मेरा रास्ता खाली करने को कहा, तो मुझ पर फिर से शारीरिक हमला किया गया और मुझे पीछे धकेल दिया गया। तीसरी, उतनी ही व्यर्थ अनुरोध के बाद, मैंने इस बात पर जोर दिया कि मैं पुलिस से बात करना चाहता हूँ, जो घटनास्थल पर मौजूद थी। बार-बार प्रयास करने के बाद, मैं फिर भी कोल्पिंग सोसाइटी के सदस्यों की कतार को तोड़ने में कामयाब रहा। मुट्ठियों और लाठियों से लगातार धमकियों के बीच, मैं आखिरकार मुख्य कांस्टेबल तक पहुँच गया। फिर उन्होंने पूरी तरह से अपर्याप्त बल—एक पुलिस कांस्टेबल और एक वन रेंजर—के साथ सैकड़ों की संख्या में मौजूद गुस्साईं भीड़ को काबू करने का प्रयास किया। मुख्य रूप से युवा लोग ही उन 40-50 शांतिपूर्ण पूजा करने वालों को इस तरह से परेशान कर रहे थे कि उसका वर्णन करना भी भयानक है, जो प्रकट होने के स्थल पर इकट्ठा हुए थे। मैंने पुलिस अधिकारी को अपना पहचान पत्र और अपना एकाग्रता शिविर पास दिखाया और उससे कहा कि कबर्स्तान का रास्ता दिखाने के लिए, क्योंकि हम वहाँ कुछ नज़ी प्रार्थनाएं करने जाना चाहते थे। सादे कपड़ों में मौजूद अधिकारी ने फिर मुझे समझाया कि वानिकी आयोग ने यहाँ जंगल में किसी भी तरह के जमावड़े या कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया था। (यही सीमा थी हमारे वरिधियों का प्रभाव कहीं तक फैला हुआ था। मैंने उसे आश्वासन दिया कि हमारा इरादा न तो कोई सभा आयोजित करने का था, न ही भाषण देने का, न ही कोई कार्यक्रम आयोजित करने का, बल्कि केवल प्रार्थना करने का था। मैंने अपनी वनिती दोहराई कि वे हमारे लिए रास्ता साफ करे, क्योंकि यह हर नागरिक के लिए खुला एक सार्वजनिक मार्ग था। फिर वह अधिकारी मेरे साथ कबर्स्तान तक वापस चला गया। वहाँ, भीड़ और भी ज्यादा दंभी हो गई थी और जब उन्होंने मुझे अधिकारी के साथ आते देखा तो वे कट्टरपंथी उन्माद में आ गए। तब अधिकारी ने लोगों से, यद्यपि बहुत जोरदार तरीके से नहीं, रास्ता साफ करने का आग्रह किया। जवाब में एक दारुण गर्जना हुई। इन लोगों के चेहरे शैतानी मुखाकृतियों में तब्दील हो गए थे। इस पर अधिकारी ने मुझसे समझाया: 'देखिए, यह असंभव है; हंगामा और बढ़ता ही जा रहा है। अब आपके पास घर जाने के अलावा कोई चारा नहीं है।' इसलिए मुझे भीड़ की ताकत के आगे झुकना पड़ा और मैं अपने साथियों के साथ घर की ओर चल पड़ा। मैंने अधिकारी से पूछा कि क्या वह हमें प्रदान कर सकते हैं रास्ते में सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा। हमारे वरिधियों की एक तीखी, वज्रियी दहाड़ और गालियों की एक और बौछार हमारे साथ-साथ चल रही थी। मैंने सुना कि कैसे कुछ गुंडों ने उस पुलिस वाले पर चलि लाया जो हमें सबसे बुरे हमलों से बचा रहा था: 'क्या तुम खुद इस पर यकीन करते हो, सरिफ़ इसलिए कि क्या तुम उनके पक्ष में हो?' जब मैंने कहा कि यह संगठित प्रतरीध है, तो अधिकारी ने जवाब दिया: "लेकिन हमारे द्वारा नहीं।" मैंने आश्वासन दिया उसे: 'हम आयोजकों को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।' हालांकि, मैंने अभी तक Erscheinungsfelsen पहुँचने की हमारी योजना नहीं छोड़ी थी। एक के बाद पुलिस स्टेशन में एक घंटे की पूछताछ और एक आपराधिक शिकायत के बाद

मेरी ओर से—जो मैंने सार्वजनिक अपमान और हमले के आधार पर दर्ज कराई थी—मैं रात लगभग 11 बजे मुझे उधार दी गई एक कार से पी. के. लिए खाना हो गया, ताकि एम. पी. की मदद ले सकूँ। हालाँकि एक लंबी बातचीत के बावजूद, वे हस्तक्षेप करने के लिए तैयार नहीं थे, क्योंकि कैप्टन ने मुझे आश्वासन दिया कि उन्हें केवल तभी हस्तक्षेप करने का अधिकार है जब अमेरिकी नागरिक या सैनिक शामिल हों। मुझे लगभग आधी रात को AEW के माता-पिता के घर लौटने में ही कामयाबी मिली, जहाँ मैं पुलिस की मदद से ही मुख्य दरवाजे तक पहुँच सका। जब मुझे पता चला कि कई महिलाएँ और लड़कियाँ अभी भी बैठक स्थल से वापस नहीं आई थी, तो मैं आधी रात को पुलिस के साथ फरि से जंगल में गया। वहाँ मैंने पाया कि डिरा हुआ समूह अभी भी अपने वरिधियों, पुरुषों और महिलाओं, द्वारा बुरी तरह से परेशान किया जा रहा था। मैंने उनसे मेरे साथ घर चलने के लिए कहा, और भीड़ के सबसे घनिष्ठ अपमान के बीच, हम आधी रात के बाद डबल्यूएफके के घर पहुँचे।

इस बीच, एक देवदूत ने दूरघटा को सूचित किया था कि द्रव्य संकेत उसी रात दिया जाएगा और यह उनके घर के कमरे में होगा। लगभग 60 भक्त वहाँ इकट्ठा हुए थे, जिनके साथ AEW ने जपमाला का पाठ करना शुरू किया। उनमें सभी वर्गों और सभी उम्र के लोग, कैथोलिक, और साथ ही अन्य धर्मों के कुछ लोग भी शामिल थे। धन्य माता के अनुरोध पर, उनकी सबसे छोटी बहन सी. (लगभग 15 वर्ष की) को एडिडब्ल्यू के बाईं ओर और मुझे दाईं ओर घुटने टेकने थे, और पूरे कार्यक्रम के दौरान उनके पास से न हटने थे। - मैंने घर से बीमारों के लिए पवित्र परमप्रसाद लाया था, क्योंकि AEW लंबे समय से परमप्रसाद ग्रहण नहीं कर सकी थी, और पवित्र परमप्रसाद को सजाए हुए और मोमबत्ती की रोशनी वाले घरेलू वेदी पर छोटी पवित्र पात्र में रख दिया, जैसा कि घरेलू परमप्रसाद के लिए प्रथा है।

। इसलिए हमने परम पवित्र संस्कार के सामने, जहाँ तक संभव था घुटने टेककर, माला का पाठ किया (पृ. 22 पर चित्र देखें)। लेकिन बाहर क्या हो रहा था? कट्टरपंथी वरिधी, जैसा कि हमने सोचा था, किसी भी तरह से घर नहीं गए थे। वे घर के बाहर एक भीड़ के रूप में इकट्ठा हो गए थे और तरिस्कारपूर्ण हुंकारों के बीच अभी भी अपना शत्रुतापूर्ण रुख बनाए हुए थे। घर पर पत्थर फेंके जा रहे थे।

00.30 बजे, हर खड़की पर पत्थरों की बौछार होने लगी। भक्तों की कतारों में डर की चीखें गूँजने लगीं। हम त्वरित प्रतिक्रिया इकाई को बुलाना चाहते थे, लेकिन घर छोड़ना असंभव था। केवल तब जाकर यह भयानक हंगामा धीरे-धीरे शांत हुआ, जब एक दयालु पड़ोसी अपनी मर्जी से पुलिस के पास गया और अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की। हालाँकि, छपे हुए समूह अभी भी मौजूद थे।



3. कब्रस्तान के पीछे जंगल में इकट्ठा होना

पृष्ठभूमि में उठा हुआ मुक्का यह संकेत देता है कि पूजा करने वालों को क्या उम्मीद करनी चाहिए।

पीछे की ओर, केंद्र में, एक वन रेजर देखा जा सकता है, और बाईं ओर

एक कांस्टेबल की टोपी। सामने दाईं ओर,

'स्वागत करने वाली महिलाएँ' पहले से ही तैयार हो रही हैं।

सामने बाईं ओर, दो और समझदार युवक अपने हाथ पैट की जेब में डाले चले जाने वाले हैं, जो यह दर्शाता है कि वे सक्रिय भाग नहीं लेना चाहते।



4. वपिक्ष की ओर से शषिटाचार

इसमें कुछ भी कमी नहीं है और इसे समझाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

यहाँ उग्र भीड़ की एक छोटी सी झलक है। फोटोग्राफर को परेशान किए जाने के कारण बेहतर तस्वीरें लेना संभव नहीं था – न ही आवश्यक नहीं। बाईं ओर जंगली ढलान पर वह चट्टान है जहाँ प्रेत प्रकट हुए थे। अब कई दिनों से, गुंडों द्वारा इसे भयानक तरीके से अपवर्णित किया गया है और सबसे अभद्र नारों से रंगा गया है। – दाईं ओर झाड़ियों के पीछे, कबरस्तान मल्लिगा, जिसमें 1939-40 के सीमा युद्धों के सैनिकों की कब्रों की लंबी कतारें हैं। जंगल के पीछे, और दाईं ओर, गाँव बसा है।



5. ' 'Wfk घर की रात की घेराबंदी

यह उन सबसे शांत दृश्यों में से एक है जहाँ बलिकुल भी कोई तस्वीर खींची जा सकती थी। सामने, शांत दर्शक। दाईं ओर, घर की तरफ, लोग ध्यान से सुन रहे हैं कि अंदर क्या हो रहा है। क्या यहाँ भी वैसा ही हो रहा है जैसा 2,000 साल पहले कलवारी के आसपास हुआ था?

घोषति रूप से घृणा से भरे वरिंथी, कूरता, उपहास और तरिस्कार से परिपूरण। कई जजिजासु दर्शक, उदासीन तमाशबीन, लेकिन कुछ चतिनशील आत्माएँ भी।

जैसा लिखा है: 'जब इस तमाशे के लिए इकट्ठी हुई भीड़ ने जो हो रहा था, वह देखा, तो उन्होंने अपने-अपने सीने पर हाथ मारा और लौट गए' (लूका 23:48)। – हो सकता है

यहाँ खड़े कई लोग 'पीछे हट जाते हैं', अपने भीतर झाँकते हैं, और सूली पर चढ़ाए गए, रक्तस्राव कर रहे परमेश्वर के मेम्ने की ओर मुड़ते हैं।



6. करशिमाई घटना की शुरुआत

यह रोज़री के अंत के करीब था जब AEW का व्यवहार अचानक बदल गया। प्रार्थना पुस्तिका उसके हाथों से फसिल गई। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं और वे किसी अनंत दविय चीज़ की ओर खचि गईं। उसका चेहरा किसी अलौकिक प्रकाश से नहाया हुआ प्रतीत हो रहा था। उनकी दृष्टि उस अकथनीय महान और सुंदर दर्शन को प्रतबिंबित कर रही थी जो उनकी अंतरात्मा की आँख के सामने प्रकट हुआ था। स्वर्ग की रानी, स्वर्गीय प्रकाश से नहाई हुई, धरती की घाटी में अपनी सेविका के पास अवतरति हुई, साथ चल रहे स्वर्गादूतों द्वारा गाए जा रहे लूदस भजन 'आवे, आवे, आवे मारिया' की धुनों के बीच। 1952 में, कीमती रक्त के पर्व और वज़िटिशन के पर्व के बीच की रात के 00:40 बजे थे। मेरे पत्रकार मतिर ने उपासकों के बीच अपनी जगह बना ली थी, जबकि उसका कैमरा मैन छोटे घरेलू वेदी के बाईं ओर एक मीटर की दूरी पर अपना कैमरा स्थापित कर चुका था। इस अंतमि द्रष्टमिय अनुभव के दौरान, जो आखरिकार स्वर्ग द्वारा जनता के लिए अभिप्रेत था, AEW ने घटना का आकलन करने के लिए अवविदति साक्ष्य प्राप्त करने हेतु एक फोटोग्राफर को उपस्थिति रहने की अनुमति दी। पहले, उन्होंने हमेशा अपने करशिमाई अवस्थाओं की तस्वीर खचिवाने से सख्त मना कर दिया था। – तस्वीर के बाईं ओर, छोटे घरेलू वेदी पर, परम पवतिर साक्रामेंट (बीमारों के लिए कम्युनियन) है; इसके दाईं ओर, एक छोटी तथाकथित 'शाश्वत ज्योति', मोमबत्तियाँ और फूल; सबसे आगे उनकी सबसे छोटी बहन सी., फरि AEW, और पीछे दाईं ओर, लेखिका।



7. करुसति की दृष्टि में

ईश्वर की माता के बगल में, AEW अब परम पवतिर संस्कार में सूली पर चढ़ाए गए उद्धारकर्ता को उनके पूरे स्वरूप में देखती है, जो सरि से पैर तक खून से लथपथ है। इस प्रकार वह 'ईश्वर के मेमने को जैसे कि उसे वध किया गया हो' देखती है, ठीक वैसे ही जैसे प्रिय शिष्य ने उन्हें अपने प्रकाशन में देखा था (प्रकाशतिवाक्य 5:6)। लालसा से भरी, वह अपने हाथ उठाती है, मानो वह सूली पर चढ़ाए गए प्रेम को करुस से उतारकर अपनी बांहों में लेना चाहती हो। उसके चेहरे पर दर्द और प्रेम दोनों समान रूप से स्पष्ट हैं, जो इस दृश्य से पूरी तरह से मंत्रमुग्ध और मोहित हैं, जो वह अपनी आत्मा की गहराई तक देख रही है। — माला उसके हाथ से फसिलकर उसकी बांह में वापस आ गई है। घर के छोटे से पूजा स्थल पर, पवतिर भोज के पीछे, लॉर्डेस की हमारी माता की एक (मुश्किल से दिखाई देने वाली) मूर्ति रखी है, जिसके सामने परिवार और उनके दोस्त घर पर एक साथ माला का जाप करके अपनी शाम की प्रार्थना किया करते थे। इसके बगल में, दाईं ओर, यीशु के पवतिर हृदय की एक मूर्ति है। फूल, मोमबत्तियाँ और दीपक इस दृश्य को पूरा करते हैं।

इस घरेलू पूजा स्थल की सजावट।



8. मसीह के रक्तस्राव करते पैरो के दर्शन पर

स्वर्गीय तेज ने AEW की इंद्रियों को इतना मंत्रमुग्ध कर दिया है कि वे बाहरी दुनिया के प्रति उदासीन हो गई हैं। द्रव्यदृष्टि वाली आँख के लपि, बाहरी इंद्रियों से ज्ञात होने वाली हर चीज़ गायब हो गई है: कमरे की दीवारें, छोटा वेदी, मूर्तियाँ, मोमबत्तियाँ, फूल और लोग। यह इन चीज़ों में से किसी पर भी प्रतिक्रिया नहीं करता है। यहाँ तक कि प्रेरित को भी, स्वर्ग के अपने दर्शन में, यह नहीं पता था कि वह 'अपने शरीर में था या बाहर' (2 कुरिन्थियों 12:2-4)। - आईडब्ल्यू की दृष्टि पूरी तरह से सूली पर चढ़ाए गए की रक्तस्राव करती घावों से मोहित हो जाती है, जिनमें वह पवित्र होस्ट के नीचे इतनी करीब देखती है, हालांकि बाद में उसे खुद एहसास नहीं हुआ कि वह उस छोटे वेदी के नीचे झुकी हुई थी जहाँ पर परम पवित्र संस्कार रखा था। बाद में भी, जब उसने छोटे से कपड़े से पवित्र रक्त को पकड़ा, तो उसने इसे केवल मसीह के हृदय के घाव से बहते देखा, न कि स्वयं होस्ट से। उसने बस पवित्र होस्ट में, उद्धारकर्ता को स्वयं को क्रूस पर अर्पित करते हुए देखा।

जो क्रूस पर थे।



9. करुणसति के चरणों का चुंबन

ईश्वर की माता द्वारा प्रेरित, जिनहोंने दर्शन में उन्हें वह सब कुछ बताया जो उन्हें करना था, AEW यहाँ फूलों के ऊपर झुकती है और, शरद्धापूर्वक, उद्धारकर्ता के पैरों को चूमती है, जो उनके लिए दिखाई दे रहे थे। फिर वह चुपचाप मेरी ओर मुड़ी, मुझे बांह से खींचकर आगे लाई, और उनकी मौन उसकी दृष्टि ने मुझे भी वैसा ही करने का आमंत्रण दिया, भले ही मैं खुद कुछ भी नहीं देख पा रही थी। फिर AEW खड़ी हो गई, और अगली गवाह के रूप में, मैंने देखा कि उसने अपना सरि उस ओर उठाया जहाँ उसने उद्धारकर्ता का रक्तस्राव करता हुआ हृदय देखा था। उसने अपना मुँह थोड़ा सा खोला और अपने होंठ आगे बढ़ाए, मानो वह ऊपर से बह रही किसी चीज़ को पीना चाहती हो। यहाँ एकमात्र संभावना उद्धारकर्ता के भेदे हुए हृदय से बहता हुआ रक्त ही हो सकती है, ऐसी स्थिति में यीशु के शब्दों को उनके शाब्दिक अर्थ में लेना होगा: 'जो कोई मेरा मांस खाता है और मेरा लहू पीता है', और आगे: 'मेरा लहू एक सच्चा पेय है'।

(यूहन्ना 6:54-55)। क्या मसीह यहाँ, हमारे कमजोर विश्वास के युग के अनुकूल एक करशिमाई और दूरदर्शी घटना में, यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि यूखरसितिकि संस्कार में उनकी उपस्थिति वास्तव में

'realiter et essentialiter'?



10. धन्य कुँवारी मरियम को चूमने के लिए लनिन का कपड़ा परसृतुत करते हुए

थोड़ी ही देर बाद, AEW ने मुझसे फुसफुसाकर कहा: 'कपड़ा, कपड़ा।' तब मैंने उसे अपनी छाती की जेब से बाहर निकाला। मैंने इसे प्रार्थना में उपस्थिति सभी लोगों की आँखों के सामने खोला और, जैसा कि मुझे निर्देश दिया गया था, इसे हाथों-हाथ दिया, उनसे यह ध्यान से देखने और यह जाँचने के लिए कहा कि क्या उस पर कुछ बना या छापा हुआ था। कुछ लोगों ने कपड़े को बजिली के दीपक के पास ले जाकर देखा; कुछ ने इसे अपनी उंगलियों से रगड़ा, लेकिन किसी को कुछ भी नहीं मिला। फिर मैंने

कपड़े को फिर से मोड़ दिया, ठीक वैसे ही जैसे एक पादरी पवतिर मसिसा के दौरान कॉर्पोरेल को मोड़ता है। फिर मैंने इसे AEW को दे दिया, जो अभी भी एक दर्ष्टावस्था में थी। आनंद से खिले चेहरे के साथ, उन्होंने शुरुआत में इसे बाईं ओर ऊपर उठाया (चतिर), जैसे कि वह इसे किसी को देखने या छूने के लिए पेश कर रही हों। बाद में बताया गए अनुसार, हमारी लेडी ने उस कपड़े को चूमने के लिए कहा। फिर AEW मुड़े हुए कपड़े के साथ नीचे गईं, जहाँ वे अभी भी सूली पर चढ़े हुए के खून बहते पैरों को देख सकती थीं, और उन्होंने कपड़ा उन पर रख दिया। मैंने ध्यान से देखा, लेकिन कपड़े में कोई बदलाव या हलचल का पता नहीं लगा सका। – पूरे घटनाक्रम के दौरान, वह कपड़ा एक पल के लिए भी मेरी नज़रों से ओझल नहीं हुआ। पूजा करने वालों ने भी इसे लगातार अपनी दृष्टि क्षेत्र में बनाए रखा। किसी भी तरह का हाथ का जादू, धोखाधड़ी, छल या किसी अन्य कपड़े के साथ प्रतिसिंथापन का सवाल ही नहीं उठता। चालीस से अधिक प्रत्यक्षदर्शियों ने अपनी शपथपूर्वक हस्ताक्षरों के साथ इसकी पुष्टि की है। (गवाहों की सूची आज भी ... के पास रखी गई है)

लेखक के पास)।



11. 'घर में उपासकों पर एक नज़र

बैठक और उससे लगे कमरे में मौजूद साठ से अधिक भक्तों की नगिहें, अटूट एकाग्रता के साथ, छोटे घरेलू वेदी के सामने होने वाली हर हरकत, हर पलट पर टिकी रहती हैं। वे जीवन के वभिन्न क्षेत्रों से आने वाले, बड़े और छोटे - जनिमें छोटे लोगों की संख्या अधिक थी - महिलाएँ और पुरुष हैं। सबसे छोटे संदग्ध व्यवहार पर भी तुरंत ध्यान जाता। इसके अलावा, फोटोग्राफर का कैमरा और फ्लैश लगातार चल रहे थे, उसका कैमरा घटना के हर दृश्य को अडगि वस्तुनष्टिता के साथ कैद कर रहा था। - केंद्र में, AEW की माँ; दाईं ओर, पीछे की तरफ, एक मास्टर माली; उसके सामने, उसकी बहन; सबसे दाईं ओर, शिक्षा के एक छात्र की बांह; बाईं ओर, माँ के सामने घुटने टेककर, एक शहीद अधिकारी की वधिया; और बलिकुल सामने, केंद्र के दाईं ओर, एक चौड़ी ललाट वाली लड़की जो एक करश्माई अनुभव कर रही थी। जहाँ तक मुझे पता है, उपस्थिति लोगों में से 15 लोग स्वयं रोडालबेन से थे, 10 परिमासेन्स से, 4 फेहरबाख से, कुछ रटिर्सहाइम और कैसरस्लाउटेन से, 2 न्यूरेबर्ग से, और 4 न्यूमार्कट/ओप्फ से थे।



12. कुरुसति के प्रेम का महान क्षण

धन्य कुँवारी ने जब उस छोटे से सूती कपड़े को अपने चुंबन से पवतिर कर दिया, तो उन्होंने AEW से कहा: "अब, मेरी बेटी, अपने पुत्र के हृदय से बहते रक्त को रोकने के लिए इस कपड़े का उपयोग करो।" तब, AEW ने मोड़ा हुआ कपड़ा दोनों हाथों में लिया और खड़ी होकर, उसे सभी को दिखाने के लिए ऊँचा उठाया, उस स्थान की ओर जहाँ उसने पवतिर होस्ट के ऊपर कुरस पर चढ़ाए उद्धारकर्ता की भेदी हुई ओर को देखा था। कमरे में एक पवतिर मौन छा गया, जैसी केवल इस संक्षिप्त प्रार्थना ने तोड़ा: 'हे पवतिर रक्त, आओ और हम पर तथा गरीब आत्माओं पर कृपा करो।' — मुझे ऐसा लगा मानो मैं फैले हुए कपड़े पर किसी तरह पदार्थ के छींटे पड़ने की आवाज़ सुन सकता हूँ। उस क्षण, मैंने सफेद कपड़े पर एक गहरा दाग बनते देखा, जो स्पष्ट रूप से बड़ा होता गया। जैसा कि बाद में साक्षात्कारकर्ता ने बताया, यह स्वर्ग से बताई गई नशानी की शुरुआत थी। — कुछ ही देर बाद, AEW फरि से घुटनों के बल बैठ गई, कपड़े को खोलकर सबसे पवतिर संस्कार के नीचे रख लिया, जो अभी भी छोटे घरेलू वेदी पर रखा था (चतिर)। अपने खुले हाथों और फैली उंगलियों के साथ, उसने छोटे वेदी की मेज के सामने कनारों को ही पकड़ा हुआ था, जबकि कपड़े का अधिकांश भाग पीछे की ओर स्वतंत्र रूप से लटक रहा था (चतिर)। जाहरि है, AEW ने कपड़े के केंद्र को छूने में संकोच किया, क्योंकि वह स्वयं पहले ही वहाँ से कुछ अद्भुत नकिलते हुए देख चुकी थी।

दूरदर्शी के ध्यान में सूली पर चढ़ाए गए की करिश्माई दृष्टि से पवतिर होस्ट पर ध्यान केंद्रित करने के पीछे का अंतरनिहित कारण यह था कि उस रहस्यमय घटना और परम पवतिर संस्कार के बीच कारणिक संबंध—जिसमें मसीह वास्तव में और सारतः देह और रक्त में उपस्थिति थे, और जिनके यूखरसितिक हृदय से रक्त की धारा वास्तव में वसुत्र पर बह रही थी—को स्पष्ट रूप से उजागर किया गया था।

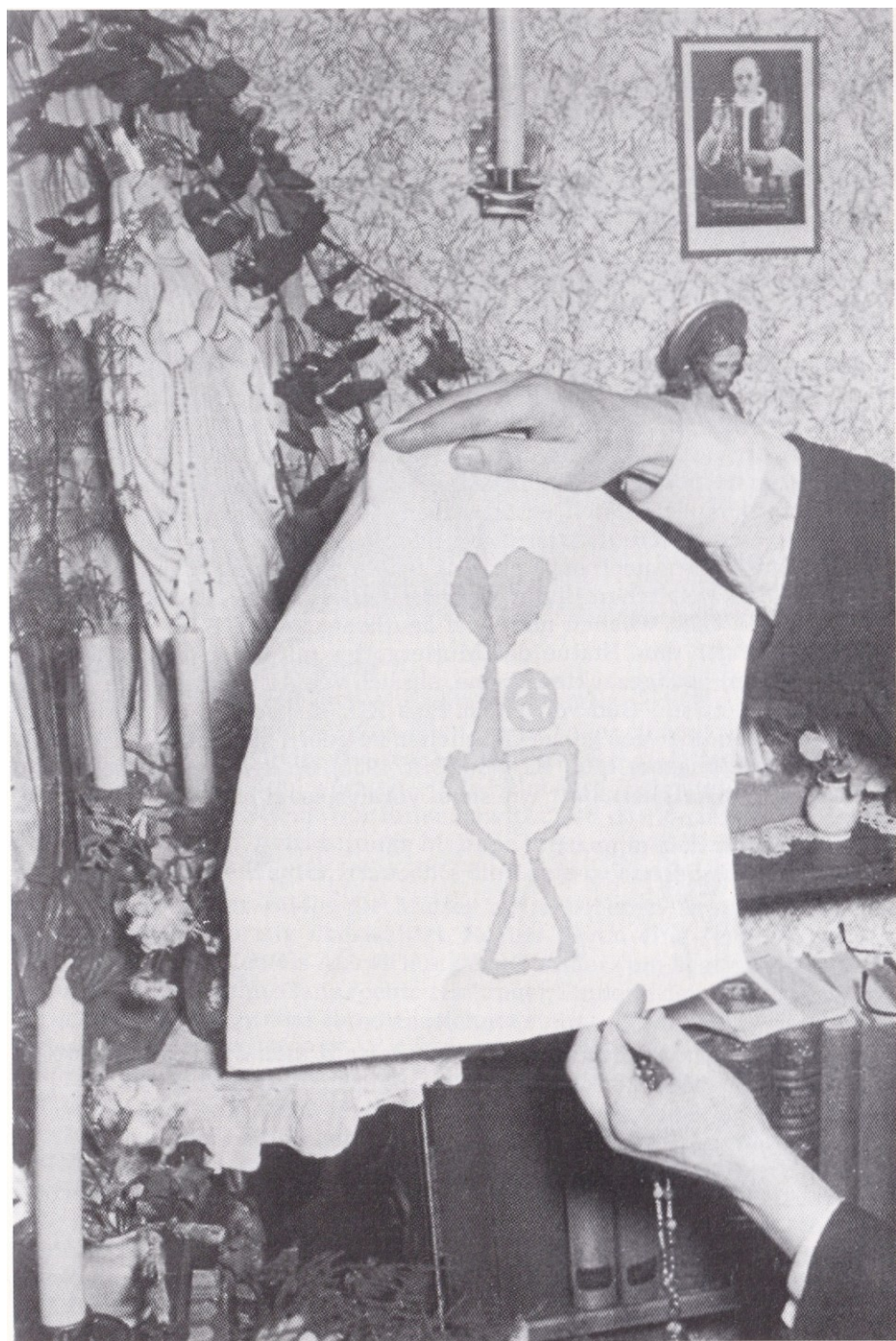
AEW के जीवन में इस पवतिर दृश्य को 'पुजारी का घंटा' कहा जा सकता है। वह, जिसने अपने शुरुआती यौवन से ही प्रभु की पुरोहिता बनने की इच्छा से बड़ी कोई इच्छा नहीं पाली थी, भले ही एक घंटे के लिए ही सही — वह एक लड़की होते हुए भी हमेशा लड़का बनना चाहती थी — स्वयं शाश्वत महापुजारी द्वारा अपने भेदे हुए हृदय से अपने बहुमूल्य बलदिनी रक्त को फरि से प्राप्त करने के लिए योग्य समझी गई, अपने लिए और उस ईसाई धर्म के लिए जो अपने यूखरसितिक विश्वास में ठंडा पड़ रहा था।



13. नरक का प्रकोप; उपासकों की कतारों में गोलियों की तड़तड़ाहट गूँजती है

उस सबसे पवतिर क्षण में, जब प्रार्थना कर रही भीड़ के ऊपर आकाश खुल गया और चमत्कार के पहले संकेत दिखाई देने लगे, बाहर अचानक उथल-पुथल मच गई। यह घर की एक सच्ची घेराबंदी थी। हम में से कोई भी पुलिस की मदद बुलाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाले बिना घर से बाहर नहीं जा सकता था। चारों ओर से छोटे-छोटे पत्थर, लकड़ी की लाठियों और बोटले बरस रही थी। उग्र भीड़ का क्रोध एक प्रचंड तूफान में बदल गया और पूरे घर पर धावा बोलने की धमकी देने लगा। सभी खड़कियाँ तोड़ दी गई थी, और उन्होंने मुख्य दरवाज़ा तोड़ने की कोशिश की। और ठीक उसी पल जब मैंने कपड़े पर खून का पहला नशान देखा, तो कमरे में दोनों तरफ से गोलियाँ चलने लगीं। हमारे सहमे साथी डरकर चीख पड़े और गोलियों से बचने के लिए खुद को ज़मीन पर (तस्वीर में दाईं ओर) फेंक लिया। मैंने उनसे कहा, 'डरो मत; चमत्कार पहले से ही हमारे बीच है!' – हमारे वरिष्ठियों द्वारा की गई इस अमानवीय हरकत को कमरे में भी कैद किया गया, और यह किसी भी मानव जीभ की गवाही से कहीं अधिक निष्ठापूर्वक और अविवादित रूप से प्रमाणित हुआ। अगले दिनें मैंने इस जानलेवा हमले की रपिर्ट पुलिस में दर्ज कराई, लेकिन बाद में सख्त आदेशों पर मुझे शिकायत वापस लेने के लिए मजबूर किया गया,

- "Nos habemus legem, et secundum legem debet mori" (यूहन्ना 19:7); यह यह सटीक बाइबिल की कहावत आज भी रद्द नहीं की गई है।



14. के स्वर्गीय संकेत को पहली नज़र में ही

AEW ने फरि से कपड़े को मोड़कर छोटे वेदी के कनारे आगे-पीछे हलिा रही थी, जैसे वह उससे कोई तरल पदार्थ पकड़ना चाहती हो। हालांकि, उसने अपनी दृष्टि ऊपर टर्किी रखी, जहाँ उसने यीशु का रक्तस्राव करता हृदय देखा। मैं उसके ठीक बगल में घुटने टेककर बैठी थी और मैंने एक गहरे तरल को एक संकीर्ण धार में आगे की ओर फेंकते हुए देखा, जो एक ऐसे आकार में बहकर गरि रहा था जसि मैं अभी तक स्पष्ट रूप से पहचान नहीं पा रही थी। वह तरल (रक्त) इतनी तेज़ी से बहा कि उसने मोड़े हुए कपड़े के उल्टे हसिसे पर एक स्पष्ट नशान छोड़ दिया। गुरुत्वाकर्षण और गति के प्राकृतिक नियमों को चुनौती देते हुए, खून कपड़े की तर्हों के ऊपर से बह गया और मुड़े हुए हसिसे के नचिले हसिसे पर बहता रहा। – जसि पर उस द्रष्टा ने कपड़ा उठाया, और उसे एक बार फरि से ऊपर बाईं ओर, ईश्वर की माता को चूमने के लएि, उनकी ओर ले गई। फरि, श्रद्धापूर्ण भावना और समर्पति प्रेम के साथ, उसने उसे धीरे से अपनी छाती से लगा लिया। बाद में, AEW ने मुझे वह कपड़ा दिया, जो अभी भी मोड़ा हुआ था। तब मैंने उसे खोला और उसमें मुझे ताजे खून से बना एक दलि मलिा, जसिमें से खून की एक धारा फूट रही थी; एक प्याला; और उसके ऊपर, एक बड़ी रोटी तैर रही थी, जसिमें एक क्रॉस का छेद था। मेरे सामने ही खून कनारों से धीरे-धीरे रसिता रहा। मुझे ऐसा भी लगा कि मैं ताजे खून की मीठी-सी गंध सूंघ सकता हूँ। मैंने इस गंध को कुछ हफ्तों बाद और भी स्पष्ट रूप से सूंघा। – बाईं ओर की छर्वा में, के पीछे रक्त-रंजति कपड़े, ईश्वर की माता की एक मूर्ति जसिके सरि पर एक (कुछ अस्पष्ट) अत्यधिक नुकीला मुकुट है, जो AEW द्वारा देखे गए मुकुट के समान था। दाहिनी दीवार पर, पोप पायस बारहवीं की एक तस्वीर, जो पूरे आयोजन पर अपना उच्च-पुजारी का आशीर्वाद प्रदान करते हुए प्रतीत हो रहे हैं। – AEW की मृत्यु पायस बारहवीं के अंतिम संस्कार के दनि (13 अक्टूबर 1958) हुई, जसि दनि 'दुनिया भर की सभी घंटियाँ बजीं', जैसा कि उन्होंने भवषियवाणी की थी।



15. ' ' पर मंडली पर प्रभाव

जब मैंने चमत्कार के चहिन वाला, खून से अभी भी ताजा कपड़ा ऊँचा उठाया और उपस्थिति लोगों को दिखाया, तो गहरी स्तब्धता की एक सहिरन हर किसी की हड्डियों में दौड़ गई और एक जोरदार चीख के रूप में अभिव्यक्त हुई। उन्होंने उस अकल्पनीय चमत्कार के लिए प्रार्थना की, ससिकरियों भरी और रो पड़े जो ईश्वर की सर्वशक्तिमानता ने ठीक उसी घड़ी उनके सामने उनकी आँखों के सामने किया था, और जसिं वे अब अपनी आँखों से देख रहे थे। मजबूत, जवान पुरुष टूट पड़े और बच्चों की तरह ससिकने लगे। मैंने लोगों को शांत करने की कोशिश की।

तस्वीर के केंद्र में आध्यात्मिक भावनाओं से अभिभूत, अपनी बाहें उठाए हुई माँ हैं। उनके दाईं ओर एक युवती है, जसिके चेहरे पर चमत्कार के परिणामस्वरूप एक आनंदमय आंतरिक शांति झलक रही है। सबसे दाईं ओर एक युवा छात्र है, जसिके चेहरे और हाथों पर मनोवैज्ञानिक सदमे के नशान हैं।

चमत्कार के कुछ ही समय बाद, एक अजनबी कमरे में घुस आया और धक्का देकर सीधे उस कपड़े तक पहुँच गया। मैं सुरक्षात्मक रूप से उसके सामने खड़ा हो गया। उस आदमी ने पवित्र चहिन पर तीखी और तरिस्कार भरी नज़रें डालीं और उसे पकड़ने का इशारा किया। मैंने उसे रोक दिया और न तो उसे उसे छूने दिया और न ही उसकी तस्वीर लेने दी। इसी तरह, एक हाथ आधी खुली खड़की से अंदर धकेलकर अंधाधुंध पहुँचा, जैसे कि कपड़े को पकड़ने की कोशिश कर रहा हो। मुझे हमारी लेडी की वह चेतावनी याद आई कि हमें वास्तव में सतर्क रहना चाहिए; क्योंकि ऐसे लोग आएँगे जो हमसे वह कपड़ा लेना चाहेंगे। नर्क और उसके रक्षक जानते और महसूस करते थे कि यहाँ दविष घटनाएँ घटित हो रही हैं, और वे इसे चुराने और नष्ट करने के लिए दृढ़ थे।



16. के स्वर्गीय संकेत के आनंदमय दर्शन में

अपनी समार्थसे लौटने के बाद, AEW अब सांसारिक आँखों से स्वर्ग से दए गए चमत्कारी चहिन को नहिरती है।

एक बच्चे की तरह आनंदति, वह खुशी में खोकर अपने स्वर्गीय उपहार को देखती है। उसने उद्धारकर्ता के प्रेम और सर्वशक्तमिनता के इस चहिन की, जो खून से लिखा गया था, उम्मीद नहीं की थी।

यह कुछ ऐसा था जिसकी उसने उम्मीद नहीं की थी; बल्कि, उसने संत वेरोनिका की पवतिर् चादर (Veil of St Veronica) के एक दृश्य के बारे में सोचा था। अब यीशु ने उस पर अपना हृदय प्रदान किया, जिसके उमड़ते हुए प्रेम से पवतिर् मसिसा की बल के प्रतीक, कलश और होस्ट (Host) में प्रेम प्रवाहति होता है, जो सभी परमेश्वर के मेमने के बहुमूल्य रक्त से लिखे, बनाए और मोचन कए गए हैं। आखरिकार, बचपन से ही, AEW ने पवतिर् मसिसा की बलदान को प्रार्थना के सबसे कीमती और प्रभावी रूप के रूप में माना था। - प्याले के आधार के बाई ओर, खून की एक बूंद। प्याले के आधार के दाहिने कोने से, खून की एक महीन धारा कपड़े के कनारे तक फैली हुई है। ऐसा लगता है कि प्याले के दाहिनी ओर से बहता हुआ खून बाई ओर से आने वाले खून से इतनी जोरदार टकराया

कयिह महीन, लंबी धारा फूटकर नकिली। (दूरभाग्य से, यह तस्वीर में धुंधले रूप में ही दिखाई देता है।) मैंने सुबह 2 बजे उस पवतिर् वस्त्र की फरि से तस्वीर खचिवाई। मैंने सुबह लगभग 4 बजे भी ऐसा ही किया। खून के दागों ने अपना अंतिम आकार 2 जुलाई की तड़के ही लिया, जब वह खून, जो शुरू में ताजा था, और अधिक सूख गया था।



17. silent, में, श्रद्धा

हम खून की छविके सामने कुछ समय तक मौन श्रद्धा में ठहरे रहे। फरि मैंने उस करशिमाई महिला के माता-पिता को बुलाया ताकवि उस चमत्कारी चहिन को करीब से देख सकें जसि स्वर्ग ने उनकी बेटी के हाथों में सौपा था। रोते हुए और खुद को संभालने की कोशिश करते हुए, उन प्यारे माता-पिता ने उस दविय संकेत के सामने घुटने टेक दिए, जो उदधारकर्ता के ताज़ा बहे हुए रक्त से लथपथ था। फरि बाकी लोगों को भी आगे आने और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनुमति दी गई। — धन्य कुंवारी मरयिम ने स्वयं, अपनी प्रकट होने की घटना में, अपने पुत्र के रक्त के पवतिर चहिन के सामने घुटने टेके।

कमरे में लोगों की भारी संख्या और उमस भरी गर्मियों की रात के कारण, हम पसीने से लथपथ हो गए थे। मैं कुछ ताजी हवा लेने के लिए ऑगन में चली गई, जबकि एईडब्ल्यू (AEW) बगल के कमरे में अपने कपड़े बदल रही थी। कुछ देर बाद, वह एक गहरे नीले रंग की पोशाक में प्रार्थना में हमारे साथ शामिल होने के लिए वापस आई। धन्य कुंवारी मरयिम की इच्छा के अनुसार, हमें पवतिर चहिन के सामने पूरी रात प्रार्थना में बतानी थी। हमने रोज़री की प्रार्थना की, जबकि खून से सना कपड़ा छोटे से घरेलू वेदी पर फैला हुआ पड़ा था। — उनके दाईं ओर उनकी बहन ए. थी।



18. एक देवदूत के हाथ से 'जीवन की रोटी' AEW की एक मतिर को

एक बार फरि, रोज़री के पाठ के दौरान, AEW का रूप बदल गया, हालांकि पहले जतिना नहीं। जैसा कि उन्होंने बाद में बताया, एक देवदूत एक पुजारी के वेश में प्रकट हुआ, जो एक बहती हुई, हल्की कमरबंद वाली अलब (alb) पहने हुए था और उसके हाथ में होस्ट से भरा एक प्याला था।

AEW ने कॉन्फर्टिओर गाना शुरू कर दिया। फरि, जैसा कि उन्होंने बाद में हमें बताया, स्वर्गदूत ने कलीसिया से एक होस्ट लिया, बड़ी श्रद्धा और गंभीरता के साथ उससे क्रॉस का चहिन बनाया, और 'जीवन की रोटी' को बारी-बारी से Wfk परिवार के सदस्यों और उन लोगों को दिया जो हमेशा उनके साथ रोज़री की प्रार्थना करते थे, जिनमें से कुछ लंबे समय से कम्यूनिशन प्राप्त नहीं कर पाए थे। यही वह नाम है जो स्वर्गीय दूत ने स्वयं इस प्रकार की संचार को दिया था। –

AEW का एक मतिर वर्तमान में स्वर्ग का भोजन ग्रहण कर रहा है। AEW ने हमेशा केवल कैलज़ि के तेजस्वी देवदूत और

उस व्यक्तिके चेहरे पर, जसि पर उसकी दृष्टि तीव्रता से केंद्रित थी। उसके लिए बाकी सब कुछ पृष्ठभूमि में धुंधला गया। —

बाईं ओर, छोटे से घरेलू वेदी पर,

उस पर यूजरसिटिकि चमत्कार का चहिन अंकित पवतिर वसत्र है।



19. AEW स्वयं स्वर्ण की रोटी प्राप्त करती है के एक देवदूत के हाथ से

जब अन्य लोगों ने पहले 'जीवन की रोटी' ग्रहण कर ली, तब AEW खुद घुटनों के बल बैठ गई, हाथ जोड़ ली, सरि उठाया, मुँह खोला – अपनी जीभ नचिले होंठ से लगाकर, ठीक वैसे जैसे कोई बच्चा अपनी प्रथम संस्कार ग्रहण करता है – और इस प्रकार से प्राप्त की

उसके लिए दिखाई देने वाले स्वर्णीय दूत के हाथ से ईश्वर की रहस्यमयी रोटी।

- उस क्षण उसने किस वशिष्ठ अनुग्रह के लिए प्रार्थना की होगी? कविह आने वाली सभी कठिनाइयों और अकल्पनीय परीक्षाओं को धैर्य और साहस के साथ सहन कर सके?



20. स्पष्ट दृश्य में स्वरगीय संकेत

'दयालु और अनुग्रहकारी प्रभु ने अपने चमत्कारों की एक स्मृतिसि्थापति की है' (भजन संहिता 110:4)। हम भजन संहिता के इन शब्दों को रक्त के यूखरसितिक संकेत पर भी लागू कर सकते हैं, जो दयालु स्वर्ग ने 1952 में मूल्यवान रक्त के पर्व की रात को अपनी दासी के माध्यम से प्रदान किया था, और जसि वह हमें यहाँ एक बार फरि गंभीर दृष्टि से दिखाती है। पवतिर ईश्वर और उद्धारकर्ता का हृदय उस रात रहस्यमय रूप से फरि से खुला, ठीक वैसे ही जैसे एक बार पार्श्व भेदे जाने पर चमत्कारी सूर्यग्रहण की अंधकारमय घड़ी में खुला था, और रक्त तथा जल प्रवाहति हुए। यहाँ ईश्वर के पुत्र ने अपना उद्धारकर्ता रक्त—होस्ट और प्याला—अपने 'शारीरिक, अपने कफ़न' में डाला, यह दिखाने के लिए कपिवतिर मसिसा की बलिके रहस्य में

वासत्व में और सचमुच, देह और रक्त में, दवियता और मानवता में उपस्थति है। एक तरह से, आर. का रक्त-कपड़ा उस महान लनिन वस्त्र की भी याद दलाता है जसिमें दुःखों की माता, कन्या मरियम ने अपने परमेश्वर के पुत्र के नरिजीव बलदिनी शरीर को लपेटा था, और जसिमें यीशु ने स्वयं कब्र में लेटे हुए अपने पूरे स्वरूप की प्रतमा को इतनी अद्भुत रूप से अंकित किया था—एक ऐसी प्रतमा जसि, वशिष रूप से हमारे कषीण होते विश्वास के इन दनिों में, हम सबसे आधुनिक तकनीकी साधनों का उपयोग करके वफादारी से प्रकट करने में सक्षम हैं। स्वर्ग द्वारा रचित रक्त की छवि, वस्त्र के ठीक केंद्र में कषैतजि रूप से स्थिति है; ऊर्ध्वाधर रूप से, यह थोड़ा नीचे की ओर सरक गई है और इस प्रकार समग्र रूपरेखा के भीतर सममति रूप से स्थिति है। रक्त के दाग की कुल ऊंचाई

की कुल ऊंचाई 27 सेमी है और यह प्याले के ऊपरी कनारे से आधा वभिजति है। सुबह तक खून और अधिक सूख गया था और इसके कनारे और तीखे हो गए थे, कुछ जगहों पर ये कांटों की नोकों जैसे दिखते थे।



21. स्वर्ग की रानी के वदिाई के पूरवानुमान में

ईश्वर की माता के अनुसार, रक्त के चहिन का उपहार उनकी यात्रा के मुख्य उद्देश्य को पूरा करने के लिए था। हालाँकि, जैसा कि AEW ने पूरवानुमान लगाया था कि धन्य कुंवारी से वदिा होना उनके लिए बहुत दर्दनाक होगा, उन्होंने प्रार्थना की कि यह अंतमि भेट घर पर हो। यह अनुरोध ईश्वर की माता द्वारा अगले दनि, वज्रिटिशन के पर्व के लिए स्वीकार कर लिया गया। यह की परशिरमी चिता थी

AEW की नरितर चिता इस बात की थी कि स्वर्ग की रानी की इस वदिाई यात्रा के लिए छोटे से घर के वेदी को वशिष रूप से भव्य पुष्प सजावट से सजाया जाए। उन्होंने पानी का एक बड़ा पात्र भी (उनके हाथों के पीछे दखिाई दे रहा है) रखा था, जिसे परमेश्वर की माता ने पवतिर करने का वादा किया था। AEW ने हमसे वदिाई के बाद उन्हें अकेला छोड़ देने के लिए भी कहा था। - एक बार फरि, छोटी वेदी पर पवतिर वसत्र बछिा हुआ था जब, शाम के लगभग 8 बजे, हमने जपमाला के आनंदमय रहस्यों की प्रार्थना शुरू की। कुछ उपासक, जो बहुत दूर से यात्रा करके आए थे, पहले ही उस सुबह जल्दी ही नकिलना पड़ा था। फरि, हमारी प्रार्थनाओं के बीच में, AEW ने ऊपर की ओर सुना और दूर से लूद के 'एवे' की धुन सुनी, जो अक्टूबर 1951 से, हमेशा ही करशिमाई घटना के आगमन का संकेत देती आई थी। अब आखिरी बार। - कमरे में अत्यधिक गर्मी के कारण, फलिम पहले ही पघिलने लगी थी, जैसा कि पड़े और AEW के माथे पर देखा जा सकता है। वदिाई के दर्शन के चरमोत्कर्ष के करीब, फलिम पूरी तरह से समाप्त हो गई। शायद ऐसा ही होना था कि सबसे अंतरंग आध्यात्मिक अनुभव के दृश्यों ने जनता के सामने प्रकट होने पर भी अपनी व्यक्तिगत पवतिरता को नहीं खोया। पुस्तक की अलमारी पर वह नोटबुक रखी है जिसे उसकी वनिती पर उस दृश्य में उसे सौपा जाना था, ताकि वह संदेशों को तुरंत और सटीक रूप से लिख सके।



22. ईश्वर की माता के आनंदमय दर्शन में

यह चित्र अपने आप में सब कुछ कह देता है। – स्वर्गदूतों के गायको द्वारा गाए गए 'हेल मैरी' के साथ, प्रकाश की स्वर्गीय प्रचुरता बरस पड़ी है और वह द्रष्टा के चेहरे में प्रतबिंबित हो रही है। क्या हम यहाँ प्रेरितों की एक कहावत उद्धृत कर सकते हैं? "ईश्वर, जसिने कहा, 'अंधकार से प्रकाश निकलकर चमके' (उत्पत्ति 1:3), ने हमारे हृदयों में भी प्रकाश को चमकाया है, जसिसे यीशु मसीह के मुख पर ईश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रभात हुआ है। 'परन्तु हम यह खजाना मटिटी के बर्तन में रखते हैं, ताकियह असाधारण सामर्थ्य परमेश्वर की ओर से हो, न कि हम से' (2 कुरिन्थियों 4:6-7)। यहाँ, मसीह की महिमा का एक कोमल 'प्रकाश का प्रभात' एक मानव शशि के सांसारिक स्वरूप के माध्यम से चमकता है। - इन आँखों के लिये, सारी सांसारिक चीजें मटि गई हैं। अनुग्रह के करिश्माई प्रकाश में, वे स्वर्ग की रानी को एक तेजस्वी वस्त्र में लपिटी हुई उतरते हुए देखती हैं

, बर्फ की तरह सफेद और प्रकाश की तरह चमकती हुई। 'कोई भी व्यक्ति कि भी अपने शब्दों में यह वर्णन नहीं कर सकता कि इस दर्शन में पवत्रि ईश्वर यीशु मसीह, धन्य कुँवारी मरियम और पवत्रि स्वर्गदूत कतिने दविय और सुंदर हैं,' उसने मुझसे एक बार स्वीकार किया। ये आँखें कुछ अनंत रूप से सुंदर को नहारती हैं और उससे पूरी तरह मोहित हो जाती हैं।

यह चेहरा झूठ नहीं बोलता, और फोटोग्राफर का लेंस अक्षुण्ण है। इस छवि की मनमोहक प्रामाणिकता रक्त के चहिन की अलौकिक प्रकृति पर भी नई रोशनी डालती है,

जो इसके सामने फैला हुआ पड़ा है।



23. स्वर्ग से एक गंभीर संदेश

AEW ने छोटी नोटबुक इसलिए मांगी ताकि वह धन्य कुंवारी मरियम के शब्दों को तुरंत लिख सके। उन्होंने पहले प्रकट होने के लिए अनुमति मांगी थी।

इस अनुमति के लिए। खुली नोटबुक में, हम पहले से लिखे गए सवालों और उनके बीच उत्तरों के लिए छोड़ी गई जगह को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। अच्छी खबर के साथ-साथ, AEW को और भी अधिक परेशान करने वाली खबरें सुनने को मिलती हैं, आगे आने वाली और अधिक कठिनाइयों के बारे में, लोगों के अविश्वास और उनकी सजा के बारे में, और संभवतः अपने स्वयं के आगे के कठिनाई रास्ते के बारे में भी। इससे उत्पन्न दुःख और पीड़ा उनके चेहरे पर झलकती है, और उनकी गाल पर एक आँसू टँगा है। उनकी निगाहें उस दविष्ट आकृति पर अडिग रूप से टिकी हैं, और उनके हल्के से खुले होंठ एक प्रश्न बुदबुदाते हुए लग रहे हैं।

हमारी माता ने पवतिर वस्त्र के भवष्य के भाग्य और उसकी पूजा के संबंध में भी निर्देश दिए। हर साल, जहाँ भी इसे अंततः रखा जाए, वहाँ तीर्थयात्रा के चार प्रमुख दिन होने चाहिए: 1 जनवरी को, यीशु के नामकरण का पर्व, जसि दिन शिशु यीशु ने पहली बूँदें बहाईं

हमारे लिए उनके उद्धारक रक्त की बूँदें। – 2. 1 अक्टूबर को, आमतौर पर लेंट के दौरान। * 3. 1 जुलाई को, पवतिर रक्त का पर्व। – 4.

1 अक्टूबर, रोजरी के महीने की शुरुआत।

इस दर्शन के दौरान, हमारी माता जल के पात्र पर भी उतरीं और उसमें अपना हाथ डुबोकर तथा क्रॉस का चहिन बनाकर उसे आशीर्वाद दिया। उन्होंने वादा किया कि इस जल से कई बीमार लोग एक दिन ठीक हो जाएँगे।



24. स्वर्गीय संदेश की अंतिम रिकॉर्डिंग और वदिई अन्य बातों के अलावा, हमारी माता के इस अंतिम संदेश में यह वादा शामिल था कि, पवतिर रक्त के चहिन के माधयम से, कई पापी एक दनि परविरतति हो जाएंगे और वशिवासियों को बीमारियों से चंगा किया जाएगा। आईडब्ल्यू को नज्जी, व्यक्तगित संदेश भी मल्लि जनिमे कुछ कड़वी सच्चाइयों थीं। उनके सांसारिक जीवन का शेष भाग अभी भी कॉटों की उलझी झाड़ी से होकर गुज़रना था, जो पूरी तरह से सच साबति हुआ। फरि वदिई का क्षण नजदीक आ गया; हालाँकि, कोई और फुटेज नहीं लिया जा सका, क्योंकि फलिम पधिलकर खत्म हो गई थी। लेकिन कोई भी जो एक तत्काल मौजूद गवाह जानता है कि आत्मा के सबसे भीतरी कोनों में कुछ हो रहा था, जसि जजिजासु दखल से अपवतिर नहीं किया जाना चाहिए। इतना कहना ही काफी है: AEW ने एक बार फरि अपनी जपमाला थाम ली और स्वर्गकि ने छोटे से क्रॉस पर अंतिम वदिई का चुंबन दिया। फरि AEW ने स्वर्ग की रानी के चोगा की कनारी उठाई, जो उसे दिखाई दे रही थी, और उसमें अपना चेहरा छपिा लिया जैसे वह उससे बेताबी से चपिकी रहना चाहती हो। लेकिन अनुग्रह का स्वर्गीय वस्त्र धीरे-धीरे उसके हाथों से फसिल गया। AEW ने ऊपर उठते हुए को देखा

स्वर्ग की रानी ने दर्द और दुःख से भरी दृष्टि से देखा और अपनी बांहें फैला दी, जैसे कि उन्हें ले जाया जाना हो। फिर वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। — क्या यहाँ कुछ ऐसा हो रहा था जो हमें सुसमाचार में मरियम मगदलीना के पास जी उठे हुए प्रभु के प्रकट होने के बारे में पढ़ने को मिलाता है? 'यीशु ने उसे पुकारा: "मरियम!" लेकिन वह पलटी और उसके पैरों से लपिट गई (मत्ती 28:9)। लेकिन यीशु ने उससे कहा: 'मुझसे चपिकी मत रहो! इसके बजाय मेरे भाइयों के पास जाओ

और उन्हें बता दो: 'मैं अपने पति के पास जा रही हूँ (यूहन्ना 20:16-17)। उसके रश्मिदारों ने AEW को एक संलग्न कमरे में ले जाकर एक सोफे पर लटिा दिया, जहाँ वह सुबह के तड़के तक बनी हल्लि-डुले पड़ी रही, उसका चेहरा एक तकिये में दब गया था। — मृत्यु के क्षण में जब आत्मा मसीह को देखती है और उसे या तो उसके लिए मुड़ना पड़ता है, यह अनुभव शायद ऐसा ही होता है।

पश्चाताप का समय, फिर भी उसे फिर से और हमेशा के लिए देखने के नश्चिती वश्वास के साथ — वह शुद्धकिरण स्थल होगा — या हमेशा के लिए दूर, इस भयानक नश्चितिता के साथ कि उसे फिर कभी नहीं देख पाएंगे — और वह नरक होगा। और ठीक इसी से मनुष्यों के बच्चों को बचाने के लिए है कदिया की माता, अपने पुत्र, ईश्वर के, बहुमूल्य रक्त के चहिन को धारण करके, आँसुओं की घाटी में अवतरी हुई है। — 'तो आओ, हमारी मध्यस्थ, अपनी दयालु अपनी दृष्टि हम पर टिकाओ, और इस दुःख के बाद, हमें यीशु दिखाओ, जो तुम्हारी कोख का धन्य फल है, हे दयालु, हे कोमल, हे मधुर हे पवतिर कुंवारी मरियम!"



25. वे गवाह जो झूठ नहीं बोलते

अगले दिन हमने रात में खड़कियों से फेंके गए प्रक्षेप्य एकत्र किए। वे विभिन्न आकारों के पत्थर, लकड़ी के टुकड़े, ईंटें, बोतलें और इसी तरह की चीजें थीं – और इस प्रकार हम अनजाने में ही पूरे मामले की दुखद शुरुआत पर लौट आए। इसमें धर्मद्रोह का पहलू यह था कि यह पथराव केवल हम पर ही नहीं, बल्कि कमोबेश स्वयं मसीह और उनकी पवित्र माता पर था, जो भटके हुए लोगों को अपनी दया का चहिन देने के लिए इस घर में उतरे थे। बसितरो पर भी कीचड़ और पत्थर पड़े थे। पूरा घर ऐसा लग रहा था मानो बमबारी की रात से गुजरा हो। हम उन कई सबसे घनीनी चीजों के बारे में चुप रहेंगे जो हमें पता है।

एक गहरा, अधिक व्यापक दृष्टिकोण हमें यह पूछने के लिए बाध्य करता है: क्या उस समय की पूरी घटना प्रकाश और अंधकार के बीच, मसीह की कलीसिया और नरक के द्वारों के बीच के संघर्ष की एक वशिष्ट प्रस्तावना थी, जो आने वाले पूरे युग में, आज के दिन तक, खुलेआम और गुप्त रूप से, प्रकट होती रही है?



26. सड़क से देखा गया परिवार का घर

1939–45 के युद्ध के दौरान उनके पूर्व घर को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद, Wfk परिवार यहाँ आ गया। इस साधारण से छोटे से घर में, इस प्रकार, 1–2 जुलाई 1952 को एक दुर्लभ करशिमाई घटना का दृश्य था, लेकिन यह नरक के प्रकोप का भी कम नहीं था। घर के पीछे वह कमरा है जिसमें लगभग दो हजार साल बाद उद्धारकर्ता का खून फरि से स्पष्ट रूप से बहा। इस दरवाज़े से होकर और इन सीढ़ियों से उतरकर हम की शाम को बाहर निकले

1 जुलाई को शांतपूरण लोगों के रूप में, केवल कुछ ही घंटों बाद एक सच्ची दानवी भीड़ द्वारा खदेड़े जाने पर यहीं वापस भागने के लिए। इन खड़कियों से पत्थर और गोलियों उस कमरे में उड़ी जहाँ स्वर्ग प्रकट हुआ था। – लेकिन क्या गोलगोथा पर नाज़रेथ के उसी यीशु पर उपहास और घृणा के पत्थर और गोले नहीं चले थे?

क्या उपहास और घृणा के पत्थर और गोले उसी नासरी यीशु पर नहीं चले थे? और क्या यह गुंडा-मज्दूरों के कीले और हथौड़े के वार ही नहीं थे जनिहोने उद्धारकर्ता के बहुमूल्य रक्त को बहाया? 'Mysterium pietatis – Mysterium iniquitatis,

'धर्मपरायणता का रहस्य – अधर्म का रहस्य', तब जैसे

आज (1 तीमथयुस 3:16; 2 थसिसलुनीकियों 2:7)!

27. '' (AEW) के अंतिम वर्षों का संक्षिप्त विवरण

महान चमत्कारिक संकेत के बाद ईश्वर ने AEW के सांसारिक जीवन को छह वर्षों और लगभग साढ़े तीन महीनों तक सीमित कर दिया। चूंकि इस अवधि के दौरान मुझ पर लगाए गए अनुशासनात्मक उपाय के कारण मैं स्वयं प्रत्यक्षदर्शी या श्रवण-साक्षी नहीं बन सका, मुझे AEW के जीवन के इस चरण का संक्षिप्त सारांश-विवरण ही स्वीकार करना होगा, यद्यपि मैं अपने नकिट सत्य-प्रेमी साक्षियों पर भरोसा कर सकता हूँ।

इसके बाद का काल AEW के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान, एक देश से दूसरे देश, एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप और फिर वापस जाने की एक बेचैन और कठिन यात्रा थी। स्वटिज़रलैंड में, उन्हें झूठे आरोपों में एक रात और आधे दिन के लिए कैद किया गया था, जब तक कि उनके भाई पुलिस के उच्चतम स्तर तक पहुँचकर अपनी बहन की रहिाई सुनिश्चित नहीं कर सके। खैर, मसीह स्वयं कहते हैं: 'वे तुम्हें न्यायालयों के हवाले करेंगे... उसे दुष्टों में गिना जाएगा... तुम रोओगे और शोक करोगे, जबकि संसार आनंद मनाएगा' (Mt 10:17; Lk 22:37; Jn 16:20)। बावेरिया के पूर्वी वन क्षेत्र के एक दूरस्थ पहाड़ी गाँव में, AEW ने एक छात्रावास में अपना सबसे लंबा प्रवास बतियाया। यह भी शारीरिक और भावनात्मक पीड़ा और कड़े अनुभवों से भरा था। उनका करिश्माई अनुभव, जो सार्वजनिक था, समाप्त हो गया था, लेकिन वह अनुभव नहीं जो उनका और उनके नकिटतम रक्षितदारों का नज्दी था। इस प्रकार, सबसे बढ़कर, मसीह के दुःखभोग का रहस्यमय पुनः-नाट्य, जैतून के पहाड़ से लेकर सूली पर चढ़ाए गए उद्धारकर्ता के साथ मरने तक, फिर से लौट आया। उसकी बहन द्वारा एक बार गुप्त रूप से ली गई एक तस्वीर, AEW को कोड़ों की मार झेलते हुए दिखाती है। उसके पीड़ा से विकृत चेहरे का भाव उस भयानक पीड़ा को बहुत मार्मिक तरीके से व्यक्त करता है। — द पवित्र आत्मा ने उन्हें भविष्य की झलकें दी, जसिमें आने वाले न्याय के दिन के दर्शन भी शामिल थे, जसिके टलने के लिए उन्होंने प्रार्थना की—ककिम से कम इसे कम और छोटा किया जाए, और एक अवशेष बचाया जाए ताकि वह ईश्वर की माता की आने वाली वज्रिय और चर्च के नवीनीकरण का साक्षी बने और उसे बनाए रखे। ये भयावह छवियाँ थीं, जो प्रकाशतिवाक्य की पुस्तक (प्रकाशतिवाक्य 6:12-17; 8:7-13; 9:1-12, आदि) में वर्णित छवियों के समान थीं। उन्होंने 'भूमि से उठते हुए उस जानवर' (प्रकाशतिवाक्य 13:11) को पूरे राष्ट्रों को नगिलते हुए देखा। जैसा कि उसे समझाया गया था, इस 'राष्ट्रों का भक्षण' की शुरुआत हंगरी से हुई।

उसे अपने भवषिय का एक दर्शन दिखाया गया: जहाँ उसे पहले दफनाया जाएगा, लेकिन वह वहाँ लंबे समय तक नहीं रहेगी; बल्कि, उसे जल्द ही कब्र से निकाल लिया जाएगा और वह एक सुरम्य कब्रस्तान में, अपने माता-पिता की कब्र में, लंबे समय के लिए अपनी अंतिम विश्राम स्थली पाएगी।

अंतिम हफ्तों में, AEW को लगातार भूख न लगने की समस्या थी, जिससे उसकी ताकत में सामान्य कमी आ गई, हालांकि कोई भी जैविक रोग पता नहीं लगाया जा सका। बाद में मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले डॉक्टर ने खुले तौर पर अपनी हैरानी व्यक्त की कि वह कोई भी जैविक रोग पता नहीं लगा सके।

और मृत्यु के कारण के रूप में सामान्य सूत्र का हवाला दिया: 'उनकी मृत्यु हृदय की वफिलता से हुई।' अंतिम रात, उनके रश्मितेदार बारी-बारी से उनके बसितर के पास पहरा देते रहे। AEW अंत तक होश में रही। उनकी बहन एम., जो पहरा दे रही थी, ने उनके होठों से आखिरी शब्द स्पष्ट रूप से सुने: '29 अक्टूबर को, उस दिनि...' वह बस इतना ही कह पाई। उनकी बहन ने उन्हें और बोलने से रोक दिया, यह मानकर कि कमजोर हालत में AEW अब कुछ ऐसा कह सकती है

जिसी उसे प्रकट नहीं करना चाहिए। वास्तव में, 29 अक्टूबर वह तारीख है जिस दिनि 1951 में AEW को अपना पहला करशिमाई अनुभव हुआ था — ईश्वर की माता का साक्षात्कार। इसलिए यह संभावना है कि AEW कुछ ऐसा कहना चाहती थी जो उस तारीख को एक दिनि होगा। लगभग 11 बजे, AEW ने बनिा मृत्यु-पसीने या मृत्यु की पीड़ा के, अपनी अत्यधिक-परीक्षति, शुद्ध और असाधारण रूप से प्रतभाशाली आत्मा को अपने स्रष्टा के पास लौटा दिया।

वे शांतपूरवक, लगभग अपने रश्मितेदारों की अनदेखी में, परलोक संधार गई, जो AEW के फरि से सांस लेने का लंबे समय तक इंतजार करते रहे। 13 अक्टूबर 1958 को, पोप पायस XII के अंतिम संस्कार के समय, सभी घंटियों

दुनिया भर में बज रही थीं, ठीक उसी तरह जैसे AEW ने 1952 में अपनी मृत्यु के समय के बारे में पूर्वानुमान लगाया था। ईश्वर समय के स्वामी हैं, और उनकी बुद्धिमिनी भरी योजना में हर चीज़ वर्ष, दिनि और घड़ी के अनुसार नश्धारति होती है।

'यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक ही हैं' (इब्रानियों 13:8)।

V. रक्त चहिन के ' ' भागो मे आयामो का वविरण

यह ध्यान दया जाना चाहिए कि पूरे खून के दाग मे डाले जाने का स्वरूप है, जो तीखे तौर पर परभाषति होने के बजाय स्वाभाविक रूप से फैला हुआ प्रतीत होता है। इसलिए ऐसा हो सकता है कि बार-बार माप लेने पर, वभिन्न नशिनो पर टेप माप को रखने के आधार पर, व्यक्तितगत परिणाम कुछ मिलीमीटर तक भिन्न हो। इसके अलावा, शुरुआत में यह ध्यान रखा गया कि उस लनिन को, जिस पर ताजा खून लगा था और जिसमें पवतिर रक्त घंटों तक धीरे-धीरे रसिता रहा, बहुत अधिक न खींचा जाए। जैसा कि ऊपर पहले ही बताया जा चुका है, उस छोटें से कपड़े का माप लंबाई और चौड़ाई में 40 सेमी है। पृष्ठ 59 पर चित्र देखें। हृदय की ऊपरी नोक से प्याले के नचिले कनारे तक रक्त के दाग की कुल ऊंचाई: 27 सेमी। प्याले की ऊंचाई: 13.5 सेमी। प्याले के आधार की चौड़ाई: 6.5 सेमी। प्याले के ऊपरी कनारे की चौड़ाई: 10.20 सेमी। प्याले के नॉब की चौड़ाई: 3 सेमी। दलि के बाई ओर से कलीस में रक्त की धारा की लंबाई: 6.5 सेमी। दलि से बाहर निकलते समय इस रक्त की धारा की चौड़ाई: 1 सेमी।

जहाँ यह प्याले में प्रवेश करता है, उसकी चौड़ाई: 2.5 सेमी। गोल आकार के होस्ट का व्यास: 4 सेमी। दलि के आकार के होस्ट का तरिछा माप, ऊपर दाई से केंद्र बाई तक: 7.5 सेमी। दलि के आकार के होस्ट का तरिछा माप, ऊपर बाई से केंद्र दाई तक: 7.5 सेमी। दलि के आकार के होस्ट की केंद्र में चौड़ाई: 8 सेमी, जो होस्ट के व्यास का दोगुना है।

दलि के ऊपरी बाएँ कनारे से कैलसि के ऊपरी बाएँ कनारे तक की दूरी

: 12.5 सेमी। दाई ओर भी यही दूरी: 13 सेमी।

पहले तो ये सरिफ सूखे आँकड़े हैं, लेकिन फिर भी समग्र चित्र एक सौंदर्यपूर्ण सामंजस्य, एक सु-संतुलित संरचना और एक आकर्षक समरूपता प्रकट करता है। इस प्रकार, होस्ट के बाई ओर रक्त का प्रवाह दाई ओर के प्रवाह से संतुलित है, और दोनों ही हृदय और प्याले के बीच संबंध स्थापति करते हैं।

VI. रक्त चहिन के गणतीय-ज्यामतीय वशिलेषण का एक प्रयास

दलि, प्याले और होस्ट के रक्त-नर्मिती आकृतियों हमें रूलर और कंपास से खींची गई रेखाओं के रूप में नहीं देखिती, बल्कि स्वतंत्र, लगभग प्राकृतिक रूपों में प्रकट होती हैं। इसलिए एक गणतीय वशिलेषण में हमें वह वधि लागू करनी चाहिए जो अन्यथा प्रकृत की वस्तुओं के लिए उपयोग की जाती है। उदाहरण के लिए, कई पौधों की संरचना, साथ ही मानव शरीर की संरचना भी, कुछ गणतीय नयिमों और आकृतियों पर आधारित होती है, अक्सर तथाकथित 'स्वरण अनुपात' पर; फिर भी प्राकृतिक वृद्धि की रूपरेखा ज्यामतीय आकृतियों की गणना की गई, शैलीबद्ध रेखाओं के साथ स्वतंत्र रूप से चलती है। हम यह वशिषता अपने रक्त चित्र में भी पाते हैं।

रक्त चित्र की गणतीय जांच का वचार

घटना के ठीक अगले दनि ही सौदर्यपूर्ण रूपों और सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था को देखकर मेरे मन में रक्त संकेत के गणतीय वशिलेषण का विचार 48 उत्पन्न हुआ। 'आपने सब कुछ बुद्धि से बनाया है' (भजन संहिता 103:24)। बाद में मैंने इस मामले पर आर. के केंद्रीय डाकघर में एक वास्तुकार के साथ चर्चा की, जिनके प्रति मैं कई मूल्यवान सुझावों का ऋणी हूँ। आगे जो दिया गया है वह केवल एक प्रयास है। 'आपने सभी चीजों को बुद्धि से बनाया है' (भजन संहिता 103:24)। बाद में मैंने इस मामले पर आर. के जनरल पोस्ट ऑफिस में एक वास्तुकार से चर्चा की, जिनके मैं कई मूल्यवान सुझावों का ऋणी हूँ। आगे जो दिया गया है वह केवल एक ज्यामितीय वशिलेषण का प्रयास है, जैसा कि स्कूल के दिनों में प्राप्त गणित के सामान्य ज्ञान के आधार पर किया जा सकता है। हम नमिनलखित ज्यामितीय आरेख बनाएँगे: **1. पूरे खून के दाग के चारों ओर दो अंतर्लेखित समबाहु त्रिभुजों और मेज़बान के केंद्र में एक प्रतच्छिद बटु के साथ एक वृत्त।** सबसे पहले, हम खून के दाग के चारों ओर उसकी पूरी ऊँचाई तक एक वृत्त बनाते हैं। हम बाएँ से दाएँ और ऊपर से नीचे तक चलने वाले दो व्यासों को क्रमशः AB और CD का लेबल देते हैं, जिनमें से प्रत्येक का माप 27 सेमी और त्रिज्या 13.50 सेमी है। केंद्र बटु M ठीक प्याले के ऊपरी कनारे के बीच में, लटकी हुई रक्त की बूंद के ऊपर स्थिति है।

D से शुरू करते हुए, हम पहले परिधि पर बाई और दाई ओर त्रिज्या R (18.50 सेमी) को चिह्नित करते हैं; इससे हमें E और F के संगम बटु मिलते हैं। – अब हम E को F से, F को C से, और C को E से जोड़ते हैं। इससे हमें वृत्त में अंकित पहला समबाहु त्रिभुज EFC मिलता है, जिसकी **भुजा की लंबाई a = 23.50 सेमी है।** इसके बाद, C से, हम परिधि पर बाई और दाई ओर R: 13.50 सेमी त्रिज्या चिह्नित करते हैं, और संमलिन बटु G और H प्राप्त करते हैं। हम G को H से, H को D से, और G को D से जोड़ते हैं। इससे हमें वृत्त में अंकित दूसरा समबाहु त्रिभुज GHD मिलता है, जिसकी **एक भुजा की लंबाई भी a = 23.50 सेमी है।** दो समबाहु त्रिभुज, एक-दूसरे के सापेक्ष ऑफसेट, एक छह-बटु वाला तारा बनाते हैं; या, यद्यपि छह शीर्ष DFHCGED को जोड़ें, तो एक षट्भुज बनता है जिसकी एक समान भुजा की लंबाई $b = 13.50$ सेमी है, यानी फरि से $=r$ । छह शीर्षों पर, JKLM'NO के प्रतच्छिद बटु छह और छोटे समबाहु त्रिभुज बनाते हैं जिनकी सामान्य एकल भुजा $c = 7.80$ सेमी है। यह आयाम पूरे रक्त प्रतीक से होकर भी गुजरता है। इसके अलावा, हम N को M से जोड़कर समलंब MLM,N बनाते हैं। इसके भीतर, हम दो वक्रिण M–M और L–N खींचते हैं। उनका प्रतच्छिद बटु, P, 4 सेमी = d के व्यास के साथ रक्त होस्ट का केंद्र देता है। **2. 'सुनहरा अनुपात',** यह एक कलात्मक पोर्ट्रेट की सौदर्यपूर्ण, आदर्श रचना और मानव रूप की सबसे मनभावन संरचना को संदर्भित करता है, जिसमें स्वर्णमि अनुपात पसली के पजिरे के नचिले कनारे पर स्थिति होता है। ज्यामितीय सूत्र है: छोटा भाग है छोटे भाग का बड़े भाग के अनुपात में होना, जैसा कि बड़े भाग का पूरे भाग के अनुपात में होता है। मानव आकृति पर लागू

: सरि के ताज से पसली के पजिरे तक की दूरी का अनुपात, पैर के तलवे से पसली के पजिरे तक की दूरी के अनुपात के बराबर होता है, ठीक उसी तरह जैसे पैर के तलवे से पसली के पजिरे तक की दूरी का अनुपात पैर के तलवे से सरि के ताज तक की दूरी के अनुपात के बराबर होता है। संख्याओं में व्यक्त किया जाए तो, यह है: $5:8 = 8:13$.

सुनहरे अनुपात को खोजने के लिए, हम होस्ट के केंद्र, P, से बाईं ओर व्यास C-D पर एक लंबवत रेखा खींचते हैं, जिससे प्रतच्छिन्न बढ़ी P' प्राप्त होता है। अब खंड P' - C (= 10.20 सेमी) का अनुपात खंड P' - D = 16.80 सेमी के साथ वही है, जो खंड P' - D : 16.80 सेमी का कुल खंड C - D : 27 सेमी के साथ है।

4 और 5 से सरलीकरण करके, हमें समीकरण प्राप्त होता है: fff : *S

इस प्रकार P पवतिर रक्त चहिन की समग्र छवि के भीतर तथाकथित गोल्डन सेक्शन बढ़ी है। हम P'-C (= 10.20 सेमी) को 'गोल्डन सेगमेंट' के रूप में नामित करते हैं और इसे e से दर्शाते हैं।

'गोल्डन सेक्शन लाइन' P' से दाईं ओर रक्त होस्ट के केंद्र, P, के माध्यम से जाती है। यह पूरे रक्त चहिन के लिए प्रारंभिक बढ़ी और रूपरेखा साबित होती है। हमें 10.20 सेमी की 'सुनहरी रेखा' फरि से कैलसि K'-K' के ऊपरी कनारे की चौड़ाई में तथा कैलसि कप M-R:'/' e:5.10 सेमी की गहराई में मिलती है।

सारांश में, हम कह सकते हैं: एक सुव्यवस्थित और सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन मानदंड पूरी रक्त छवि की संरचना और बनावट से होकर गुजरता है, जो इसे एक शास्त्रीय सुंदरता और सामंजस्य प्रदान करता है। होस्ट के आकार का केंद्र एक और तीन की प्रणाली (वृत्त और त्रिकोण रेखाओं) के साथ-साथ स्वर्णमि अनुपात के साथ भी संरेखित होता है। बल की रेखाएँ लगभग हर दशा से होस्ट के केंद्र पर अभिसरित होती हैं, या यों कहें कि सभी उससे बाहर की ओर विकीर्ण होती हैं। इस प्रकार, होस्ट का आकार सभी अन्य रूपों और वस्तुओं के स्रोत और समाप्तिबद्धि के रूप में प्रतीत होता है।

3. मेजबान-आकार के क्रॉस-सेक्शन वाला आयत – चतिर पृष्ठ 61

यदि हम पूरे चतिर को लगभग 30 डिग्री दाईं ओर घुमाएँ, तो आयत EDHC नज़र को आकर्षित करती है। इस आयत के भीतर, होस्ट का आकार दो लंबी भुजाओं DH और Ec (प्रत्येक

= 23.3 सेमी) और, दूसरी ओर, उस बढ़ी पर जहाँ अनुप्रस्थ रेखा NL विकिरण MM' को काटती है – अनुप्रस्थ रेखा NL आयत को दो असमान भागों में विभाजित करती है, जिनमें ऊपरी भाग NLHC पूरे चतुर्भुज का एक तर्हाई (7.8 सेमी) और नचिला भाग NLDE दो तर्हाई (= 15.5 सेमी) है। यह विभाजन, बदले में, स्वर्णमि अनुपात के सिद्धांत के अनुरूप है:

#3 : *ffi इसके परिणामस्वरूप, 2 और 3 से विभाजित करने पर: fff : fff

यदि हम विकिरण MM' को ऊपर की ओर A' तक और नीचे की ओर Z तक बढ़ाते हैं, तो हमें चतुर्भुज EDHC के भीतर एक बड़ा क्रॉस मिलता है। इस क्रॉस के प्रतच्छिन्न बढ़ी पर, एक बार फरि, संपूर्ण स्थान के केंद्र के रूप में ब्लड होस्ट (Blood Host) की छवि स्थित है। कोई एक स्वतंत्र वेदी (free-standing altar) वाले चर्च की तल योजना के बारे में सोच सकता है, जिसमें यूखरिस्टिक होस्ट (Eucharistic Host) वाले टबरनेकल (tabernacle) को रखा जाता है।

(तुलना करे वरिज़ेनहाइलमिन के चर्च से)

4. रक्त के चहिन के भीतर दो ज्यामितीय रूप से गणना किए गए शैलीकृत प्याले – पृष्ठ 60 पर चित्र देखें। हम

M के चारों ओर 'I' की त्रिज्या के साथ नीचे की ओर एक अर्धवृत्त खींचते हैं।

'सुनहरे अनुपात' का: 10.20 सेमी का 1/2 : 5.1 सेमी। नचिली आधार रेखा पर, हम प्याले के आधार की चौड़ाई: 6.5 सेमी, को चहिनित करते हैं, और S तथा T बटु प्राप्त करते हैं। (D उनके बीच में स्थिति है)। फिर हम S से M को चहिनित करते हैं से M तक, लेकिन जोड़ने वाली रेखा को केवल M के चारों ओर के अर्धवृत्त के साथ प्रतच्छेदन बटु R' तक ही बढ़ाते हैं। इसी तरह, हम T से M को चहिनित करते हैं और जोड़ने वाली रेखा को केवल M के चारों ओर के अर्धवृत्त के साथ प्रतच्छेदन बटु R' तक ही बढ़ाते हैं। परणिामी ज्यामितीय आकृति एक सटाइलाइज्ड कैलसि (मापने वाला कैलसि) बनाती है जिसकी ऊंचाई 13.50 सेमी (: r) और

एक प्याले का कप जिसकी ऊपरी कनिारी की माप 10.20 सेमी (: स्वरणमि अनुपात) और जिसकी गहराई 5.10 सेमी (: स्वरणमि अनुपात का आधा) है। चैलसि हैडल

R'—R': 2.50 सेमी। अब हम ऊपर की ओर बढ़ते हैं और C से e की त्रिज्या के साथ नीचे की ओर एक अर्धवृत्त खींचते हैं: 10.20 सेमी (स्वरण अनुपात)। यह ऊपरी आधार रेखा को U और V पर काटता है; नीचे, यह P' पर स्वरण खंड से मिलाता है। परणिामी अर्धवृत्त एक कटोरा बनाता है जिसकी ऊपरी (U—V) व्यास 2 गुना e, यानी 2 गुना 10.2 डम, है,

:20.4 सेमी। – नचिली आधाररेखा पर, हम D के बाईं ओर दाईं ओर e : 10.2 सेमी को चहिनित करते हैं ताकि D केंद्र बने। मान लीजिए कि दो छोर X और Y हैं। X से, हम ऊपर की ओर C को नशाना बनाते हैं, लेकिन जोड़ने वाली रेखा को केवल C के चारों ओर के अर्धवृत्त के साथ प्रतच्छेदन बटु P' तक ही खींचते हैं। इसी तरह, Y से, हम C को नशाना बनाते हैं, लेकिन जोड़ने वाली रेखा को केवल प्रतच्छेदन बटु P तक ही बढ़ाते हैं, जो ब्लड होस्ट का केंद्र भी है।

इस प्रकार बनी पूरी ज्यामितीय आकृति एक शैलीकृत प्याला, तथाकथित 'कॉम्युनयिन कटोरा', का प्रतनिधित्व करती है, जिसकी कुल ऊंचाई 27 सेमी है, जिसमें कटोरे की गहराई 10.20 सेमी (: स्वरणमि अनुपात) और कटोरे का तना D—P' 17 सेमी (स्वरणमि अनुपात का लंबा खंड) मापता है। कटोरे का हैडल P'—P 4 सेमी चौड़ा है, यानी: होस्ट का व्यास। प्याले का ऊपरी कनिारा, U—V: 20.40 सेमी: स्वरणमि अनुपात का दोगुना। रक्त के यथार्थवादी चित्रण और ज्यामितीय रूप से शैलीकृत पुनरुत्पादन, दोनों का एक समग्र दृश्य एक सुवचिरति संरचना और एक मनभावन रचना को प्रकट करता है जो स्वरणमि अनुपात के शास्त्रीय सौंदर्य मानदंड का अनुसरण करती है। क्या इसे अव्यवस्था की आत्मा द्वारा बनाया गया हो सकता है, जैसा कि एक वरिधी आरोप में दावा किया गया था? या क्या यह, आखिरकार, 'ईश्वर की बुद्धि' द्वारा कल्पना और आकार दिया गया है, जो सभी चीजों का कलाकार है और सब कुछ खूबसूरती से व्यवस्थित करता है? 'ओमनियम आर्टफिक्स, एट डिसिपोनटि ओमनिया सुआवटिर्' (वज्रि 7:21; 8:1)? VII. आर. का 'रक्त चहिन' और धार्मिक न्यायालय: जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, उस समय आर. में हुई घटनाओं पर चर्च की प्रतिक्रिया काफी नकारात्मक थी। कोई अभी भी

यह अभी भी पूछा जा सकता है कि क्या वास्तविक रिपोर्टें उस समय के सर्वोच्च चर्च अधिकारियों तक वास्तव में पहुँची, और उन्होंने वास्तव में कैसी प्रतिक्रिया दी। लेकिन आइए हम इस सब को अभी के लिए एक तरफ रख दें और पूछें: क्या R. के रक्त-चहिन के मामले के संबंध में सर्वोच्च चर्च अधिकारियों की ओर से बलिकुल भी कुछ सकारात्मक नहीं हुआ?

क्या यह संयोग था – जो वास्तव में नहीं है – या यह पवतिर आत्मा, जो मसीह की कलीसिया का अदृश्य परन्तु प्रमुख मार्गदर्शक है, की एक आंतरिक प्रेरणा थी, जब पोप जॉन XXIII ने 30 जून 1960 को – यानी आठ साल बाद – मूल्यवान रक्त के परव की पूर्व संध्या पर एक प्रेरितिक पत्र प्रकाशित किया: 'यीशु मसीह के पवतिर रक्त की आराधना पर', जिसमें उन्होंने मसीही जगत से उद्धारकर्ता के पवतिर रक्त की आराधना को बढ़ाने का आह्वान किया? ऐसा करते हुए, उन्होंने याद किया कि उनके पूर्ववर्ती, पायस IX ने, 1849 में, एक व्रत की पूर्ति में, पवतिर रक्त की धार्मिक श्रद्धा को पूरी कलीसिया तक बढ़ा दिया था; इसके अलावा, पायस XI ने, 19वीं की अवसर पर मानव जाति के उद्धार की 19वीं शताब्दी (1933) के अवसर पर, पायस XI ने पवतिर रक्त के स्मरणोत्सव को प्रथम श्रेणी के परव का दर्जा दिया, 'ताकि उद्धारकर्ता के पवतिर रक्त की आराधना को दृढ़ता से बढ़ावा दिया जा सके और इस द्रव्य रक्त के फल मानवता पर और भी अधिक प्रचुर मात्रा में बह सकें'।"

इससे पहले, 3 मार्च 1960 को, जॉन XXIII ने व्यक्तिगत रूप से 'मूल्यवान रक्त की लांतानि' को उच्चतम चर्च-सम्बन्धी अनुमोदन प्रदान किया था, जिसमें तब तक केवल नज़ी तौर पर ही अनुमत किया गया था। - पोप के पत्र में संत मार्गरेट अल्कोक को पवतिर आत्मा के करिश्माई प्रकटीकरणों और परम पूजनीय फादर कैसपर डेल बुफालो के यीशु के पवतिर हृदय के प्रतीक भक्तों के संबंध में प्रयासों पर भी जोर दिया गया है, जसिने बदले में कीमती के प्रतीक भक्तों के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया- और इसके अनुष्ठानात्मक उत्सव की शुरुआत।

यह सब, कम से कम, जर्मन भूमि में उद्धारकर्ता के बहुमूल्य रक्त से जुड़ी करिश्माई घटनाओं के एक अप्रत्यक्ष संदर्भ जैसा लगता है और इस धारणा को सही ठहराता है कि इस संबंध में सकारात्मक गवाहियाँ, आखिरकार, मसीह के वकिर के हाथों में पहुँच गई थी।

'एरटि सांगुइस वोबसि इन सगिन्म इन एडबिस, इन क्वायब्स एरटि। वह रक्त उन घरों पर आपके लिए एक चहिन होगा जहाँ आप रहते हैं' (नरिगमन 12:13)। क्या पवतिर आत्मा, जो बाइबलि को प्रेरित करता है, यहाँ वशिवासयोग्य इस्राएलियों के रहने वाले घरों के द्वार के खंभों पर प्रतीकात्मक बलि के रक्त और सच्चे के बीच एक आध्यात्मिक संबंध की ओर इशारा करने का प्रयास कर रहा है

'नरिदोष और नषिकलंक मेमने, यीशु मसीह' (1 पतरस 1:9) का बलिदान का लहू, जो वशिवास करने वाले मसीहियों के घरों में बहाया गया है? –

या मसीह के लहू का महत्व फरि से प्राप्त करने से पहले शहीदों का लहू पहले बहाया जाना चाहिए?

पवतिर और कीमती रक्त की लतिानी

परम पवतिर त्रिमूर्ति, एक प्रभु और परमेश्वर। पवतिर परमेश्वर † पतिता के नाम पर, और पुत्र के नाम पर, और पवतिर आत्मा के नाम पर। **आमीन।**

वी. हे पवतिर और सर्वशक्तिमान ईश्वर, हमारे पतिता, जनिहोंने स्वर्ग और पृथ्वी, सभी दृश्य और अदृश्य चीजों को बनाया,

A. हम आपसे वनिती करते हैं, हम पर दया करें, हमारी प्रार्थना सुनें, हमें पवतिर करें और हमारी रक्षा करें।

वी. पवतिर ईश्वर, जीवति पवतिर ईश्वर के एकमात्र पुत्र, यीशु मसीह, **ए.** हम आपसे वनिती करते हैं, दया करें हम पर दया करें और हमें बचाएँ।

V. पवतिर आत्मा परमेश्वर, जो पतिता और पुत्र के साथ एक है,

A. हम आपसे प्रार्थना करते हैं, हम पर दया करें, हमें ज्ञान दें और हमारा मार्गदर्शन करें

वी. पवतिर त्रिमूर्ति, एक पवतिर ईश्वर, आप शांति, मार्ग, प्रेम, ज्ञान, सत्य, पुनरुत्थान, प्रकाश और जीवन हैं,

A. हम आपसे प्रार्थना करते हैं, हम पर दया करें और हमारा शासन करें;

(इनकी प्रार्थना बारी-बारी से की जा सकती है)

मसीह का पवतिर रक्त, शाश्वत पतिता के एकलौते पुत्र का; मसीह का पवतिर रक्त, नया और शाश्वत नियम;

हे पवतिर यीशु मसीह, उन आत्माओं के लिए जनिहें बचाया नहीं जा सकता, आपने जैतून के पहाड़

पर रक्त-पसीना बहाया; मसीह का पवतिर रक्त, जो कोड़ों से पीटे जाने के दौरान बहा;

काँटों का मुकुट पहनाए जाने के समय बहाया गया;

मसीह का पवतिर रक्त, जो क़ूस पर पवतिर हृदय से बहा;

मसीह का पवतिर रक्त, जो वेदी के संस्कार में उपस्थिति है; मसीह का पवतिर रक्त,

आत्माओं का पेय और शुद्धिकरण; मसीह का पवतिर रक्त, सभी राक्षसों का वज्रिता;

मसीह का पवतिर रक्त, सभी हृदयों का शांति और आनंद;

मसीह का पवतिर रक्त, बीमारों और मरणासन्न लोगों का उद्धार; मसीह का पवतिर रक्त,

शुद्धिकरण स्थल से दुष्ट आत्माओं की मुक्ति;

A. हे प्रभु, हम आपसे वनिती करते हैं, हमें बचाएँ;

वी. हे पवत्रि प्रभु और परमेश्वर, यीशु मसीह, हमारे राजा और उद्धारकर्ता, आप संसार के पापों को दूर करते हैं,

A. हम आपसे वनिती करते हैं, हम पर दया करें और हमारी प्रार्थना सुनें।

वी. हे पवत्रि प्रभु और परमेश्वर, हे यीशु मसीह, हमारे राजा और उद्धारकर्ता, आप संसार के पापों को दूर करते हैं,

A. हम आपसे वनिती करते हैं, हम पर दया करें और हमें क्षमा करें।

V. हे पवत्रि प्रभु और परमेश्वर, यीशु मसीह, हमारे राजा और उद्धारकर्ता, आप संसार के पापों को दूर करते हैं,

A. हम आपसे प्रार्थना करते हैं, हम पर दया करें; हमें अपनी शांति, शक्ति और प्रेम प्रदान करें।

A. हे पवत्रि सर्वशक्तिमान ईश्वर, स्वर्ग में हमारे पिता, हम आपकी स्तुति, महिमा, आराधना और धन्यवाद करते हैं। आपका पवत्रि राज्य पहले से ही हमारे बीच है।

हे पवत्रि यीशु मसीह, कृपया हमें अपने पवत्रि घावों और अपने पवत्रि, बहुमूल्य लहू के द्वारा हमारे पापों से शुद्ध करें, ताकि हम आपकी इच्छा पूरी कर सकें और पवत्रि बन सकें।

हम आपके उद्धार के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। **आमीन।**

हमारे पिता... हम आपकी

स्तुति करते हैं,

पवत्रि कुँवारी मरियम...

† हम आपको सम्मानित करते हैं, ...

समुदाय में प्रिय रक्त पर चर्चा

"जो मेरा मांस खाता और मेरा रक्त पीता है, वह अनंत जीवन का अधिकारी है, और मैं उसे अंतमि दिनि जीवित कर उठाऊंगा" (यूहन्ना 6:54)।

'जब भी तुम यह रोटी खाते और यह प्याला पीते हो, तब तक तुम प्रभु की मृत्यु की घोषणा करते हो, जब तक कि वह न आए' (1 कुरिन्थियों 11:26)।

'इस संसार से ईश्वर में प्रवेश करना, और उसमें नए सारे से जी उठना, कतिना सुंदर है। मैं उस ईश्वर के रोटी की लालसा करता हूँ, जो यीशु मसीह का शरीर है; और एक पेय के रूप में मैं उनके कीमती रक्त की लालसा करता हूँ, जो अमर प्रेम है' (संत इग्नेशियस ऑफ एंटीओक)।

'अंगूर की बेल की तरह, मैं मीठे, सुगंधित फल लाती हूँ, और मेरे फूल शानदार, उत्कृष्ट फल देते हैं' (सभोपदेशक 24:17)। अंगूर की बेल के फल, अर्थात् धन्य कुंवारी, अंगूर और शराब हैं,

जो मसीह का शरीर और लहू हैं। बेल के फूल से प्राप्त उत्तम मदिरा, धन्य कुंवारी से जन्मे मसीह का लहू है (संत अल्बर्ट द ग्रेट)।

'आओ, हे आओ, हे मेरे उद्धारकर्ता के देह, जलता हुआ कोयला, मेरे होठों को शुद्ध करो, मुझे उस प्रेम से प्रज्वलित करो जिसने आपको मृत्यु के हवाले कर दिया।

आओ, हे रक्त, जो प्रेम से बहाया गया; हे ज्वाला की धारा, मेरे हृदय में प्रवाहित हो! हे उद्धारकर्ता, तो यह आपका शरीर है, वही शरीर जो घावों से भेदा गया था। मैं स्वयं को आपके सभी घावों से जोड़ता हूँ; उनके माध्यम से आपका सारा रक्त मेरे लिए बहा" (बोस्यू)।

'जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन और पेय होते हैं, उसी प्रकार सत्य और महिमा का प्रकाश और प्रेम की प्रचंड धारा आत्मा के लिए होती है; और मसीह में, उनका मानवीय शरीर ठीक उसी महिमा के दीप्तमिन् वस्त्र के अनुरूप है जिसमें वह अपनी दविय प्रकृति में सुसज्जित हैं, और उनका मानवीय रक्त जीवन और प्रेम की उस धारा के अनुरूप है जो उनके दविय हृदय से फूटती है। इस प्रकार, उसके शरीर में सहभागिता के द्वारा, हम शाश्वत सत्य के प्रकाश से प्रबुद्ध होते हैं, उसकी महिमा से रूपांतरित और परिवर्तित होते हैं; और उसके रक्त में, शाश्वत जीवन और दविय प्रेम की धारा हमारे हृदयों में प्रवाहित होती है। प्रभु के मांस में नविास करने वाली दविय शक्ति के द्वारा, हम अपनी आत्मा में उनके दविय महिमा के स्वरूप में रूपांतरित होते हैं, और अपने शरीर में उनके स्वयं के रूपांतरित स्वरूप में शरीर में रूपांतरित हो जाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे, उनके रक्त में प्रवाहित पवित्र आत्मा की शक्त के द्वारा, हमारी आत्मा और हमारा शरीर ईश्वर के अमर जीवन से भर जाते हैं।"

IX. हमारे प्रभु और ईश्वर यीशु मसीह के पवतिर रक्त का पर्व

प्रथम श्रेणी – लाल

मूल्यवान रक्त का पर्व मुक्तिका पर्व है, जिसके लिए हम कभी भी पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकते। सूली पर चढ़ाए गए मसीह के पार्श्व के घाव से बहे पानी और रक्त में, लोगों ने हमेशा जीवन की उस द्रव्य-मानवीय धारा को देखा है, जो क़रूस से गरिकर कलीसिया के माध्यम से बपतस्मा और परमप्रसाद में बहती हुई, सभी तक शुद्धिकरण, पवतिरता और मसीह के साथ सबसे अंतरंग मलिन के लिए पहुँचती है।

लेकिन हमें उस बलदान के रक्त की भी याद दलाई जाती है जसिं महायाजक, यीशु मसीह ने, प्रायश्चित के रूप में स्वर्गीय पिता को अर्पित किया था

दुनिया के पापों के प्रायश्चित के रूप में महायाजक, यीशु मसीह ने स्वर्गीय पिता को जो बलदान का रक्त अर्पित किया। समुदायिक श्लोक हमसे आग्रह करता है कि हम मसीह के रक्त की शक्त में—जसिं हम मसिंसा के उत्सव में मुक्तिकी प्रतजिज्ञा के रूप में ग्रहण करते हैं—समय के अंत में उनके आगमन के लिए तैयार रहें। हम सभी से आग्रह किया जाता है कि हम अपने पूरे जीवन के माध्यम से यह साबित करें कि मसीह का रक्त व्यर्थ में नहीं बहाया गया है।

प्रवेश स्तोत्र प्रका 5:9-10

प्रभु, आपने हमें अपने लहू से हर कुल, भाषा, जनजातियों और राष्ट्रों से, और हमें हमारे परमेश्वर के लिए एक राज्य बना दिया है।

भजन संहिता 88: मैं यहोवा की दया का गुणगान युगानुयुग करता रहूँगा; मैं अपने मुँह से तेरी सत्यनबिठा पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रचार करूँगा। हम सर्वशक्तमिन पवतिर त्रिमूर्ति ईश्वर, पिता, पुत्र और पवतिर आत्मा का सम्मान करते हैं। ग्लोरिया...

दनि का प्रार्थना

सर्वशक्तमिन और शाश्वत परमेश्वर, आपने अपने एकलौते पुत्र को संसार का उद्धारकर्ता नियुक्त किया और उनके लहू के द्वारा हमसे मेल-मिलाप करना चाहा; इसलिए हे प्रभु, हम आपसे वनिती करते हैं कि हमें हमारे उद्धार की इस कीमत का गंभीर उत्सव मनाकर सम्मान करने का वरदान दें, और उसकी शक्ति के द्वारा, इस सांसारिक जीवन के दुष्टताओं से सुरक्षित रखें, ताकि हम स्वर्ग में उसके फल में अनंतकाल तक आनंदित हो सकें: उसी पवतिर ईश्वर, हमारे राजा और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के द्वारा।

पठन – इब्रानियों 9:11-15

संत पौलुस प्रेरित की इब्रानियों के नाम पत्र से। भाइयो! मसीह भवषिय [स्वर्गीय] आशीषों के महायाजक के रूप में प्रकट हुए। वह

उसने मनुष्य के बनाए हुए नहीं, अर्थात् इस संसार के नहीं, बल्कि अधिक गौरवशाली और उत्तम नविकास-स्थान [स्वर्ग] में प्रवेश किया—और वह भी बकरों और बैलों के लहू से नहीं, बल्कि अपने ही लहू से, एक बार ही पवित्र-स्थान के भीतर, अनंत उद्धार सुनिश्चित करके। क्योंकि यदि बकरों और बैलों का लहू, और बछड़ी की राख, जब अशुद्ध लोगों पर छड़िका जाता है, तो उन्हें शुद्ध करके देह में पवित्र कर देती है, तो मसीह का लहू, जसिने पवित्र आत्मा के द्वारा स्वयं को परमेश्वर को एक नरिदोष बलिदान के रूप में अर्पित किया, वह हमारे वविक को मृत कर्मों [पापों] से कतिना अधिक शुद्ध करेगा, ताकि हम जीवित परमेश्वर की सेवा कर सकें? इसलिये, वह नई वाचा का मध्यस्थ है, ताकि उसकी मृत्यु के द्वारा—जो उसने पहली वाचा के अनन्तरगत किए गए पापों के उद्धार के लिए सहे—जो बुलाए गए हैं वे हमारे प्रभु मसीह यीशु में प्रतर्जिजा की हुई अनन्त वरिसत को प्राप्त कर सकें।

क्रमिक – 1 यूहन्ना 5:6; 7-8

वह, यीशु मसीह ही है, जो पानी और लहू से आए—केवल पानी से नहीं, बल्कि पानी और लहू से। स्वर्ग में गवाही देने वाले तीन हैं: पतिता, वचन और पवित्र आत्मा; और ये तीनों एक हैं। और पृथ्वी पर गवाही देने वाले तीन हैं: आत्मा, पानी और लहू; और ये तीनों एक हैं।

आल्लेलुया पद – 1 यूहन्ना 5:9

हल्लेलूया, हल्लेलूया।

V. यदहिम मानवीय गवाही स्वीकार करते हैं, तो परमेश्वर की गवाही उससे भी महान है।

अल्लेलूया।

प्रतर्जिजा-बलि मिसिों में

पूरव-लेट और लेट के दौरान

आल्लेलुया पद के बजाय, ट्रैक्ट्स ग्रेजुअल का अनुसरण करता है: इफ 1:6-8; रोम

3:24-25

परमेश्वर ने अपने प्रिय पुत्र में हम पर अनुग्रह किया है; उसी में हमें उसके लहू के द्वारा उद्धार मिला है: व. पापों की क्षमा, उसकी कृपा की संपत्ति के कारण, जो उसने हम पर भरपूर ढा दी। हमें मसीह यीशु में प्राप्त उद्धार के द्वारा उसकी कृपा से निःशुल्क धरमी ठहराया गया है। V. परमेश्वर ने उसे उसके लहू में प्रायश्चिति का बलिदान प्रस्तुत किया, जो विश्वास के द्वारा प्रभावकारी है।

ईस्टर के मौसम के दौरान

क्रमिक और हल्लेलूया छंदों के बजाय, नमिनलखित प्रतर्जिलागान गाए जाते हैं:

पहला हल्लेलूया पद प्रका 5:9 हल्लेलूया, हल्लेलूया। V. हे प्रभु, तू पांडुलिपि लेकर उसकी मुहरे खोलने के योग्य है; क्योंकि तू वध किया गया, और अपने रक्त से तूने हमें परमेश्वर के लिए छुड़ाया।

दूसरा अल्लेलूया पद – नरिगमन 12:13

अल्लेलूया। ब. यह रक्त तुम्हारे लिए एक चनिह होगा: जब मैं रक्त देखूंगा, तो मैं तुम्हारे पास से होकर जाऊंगा, और वनिश लाने वाली महामारी तुम पर नहीं आएगी। अल्लेलूया।

प्रवेश-गीत में दो अल्लेलूया जोड़े जाते हैं; अर्पण-गीत और संचार-गीत में प्रत्येक में एक-एक अल्लेलूया होता है।

सुसमाचार: यूहन्ना 19:30-35

यूहन्ना के अनुसार। उस समय, यीशु ने सरिका लेकर कहा, 'यह पूरा हो गया।' फिर उन्होंने अपना सरि झुकाया और अपनी आत्मा दे दी। यह यहूदियों की प्रार्थना पर था कि शरीर सब्बाथ के दिने क्रूस पर न रहे, इसलिए उन्होंने पलातुस से वनिती की कि उनके पैर तोड़ दिए जाएँ और उनके शरीर उतार लिए जाएँ। (क्योंकि यह तैयारी का दिन था, और वह सब्बाथ एक बड़ा दिन था।) इसलिये सपिाही आकर पहले व्यक्ति और उसके साथ सूली पर चढ़ाए गए दूसरे व्यक्ति की टाँगें तोड़ गए। परन्तु जब वे यीशु के पास पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि वह पहले ही मर चुका था; इसलिये उन्होंने उसकी टाँगें नहीं तोड़ी, परन्तु सपिाहियों में से एक ने भाले से उसकी पसली भेद दी, और उसी घड़ी रक्त और पानी बह निकला। जिसने इसे देखा है [यूहन्ना] वही इसकी गवाही देता है, और उसकी गवाही सच्ची है। धर्मवश्वास

बलदान-गीत – 1 कुरन्थियों 10:16

क्या वह आशीर्वाद का प्याला जिसे हम धन्य कहते हैं, मसीह के लहू में सहभागिता नहीं है? और क्या वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, प्रभु के शरीर में सहभागिता नहीं है? भजन संहिता 115

भेटों पर प्रार्थना

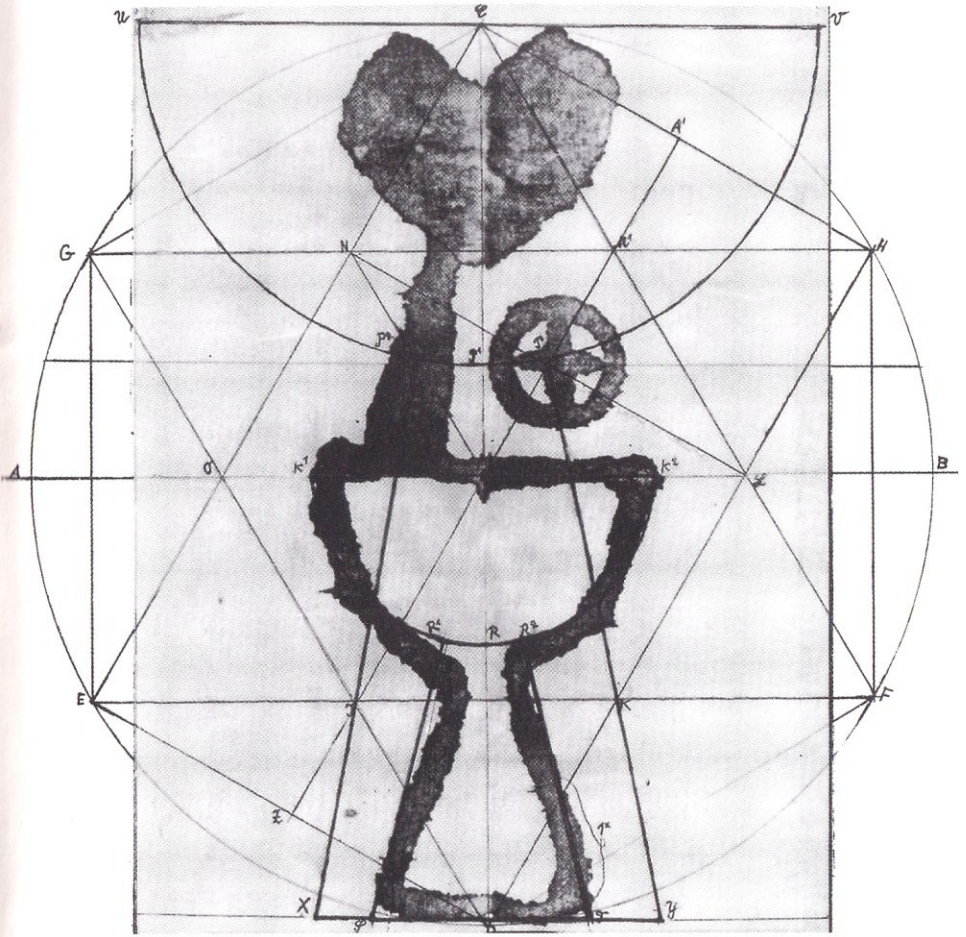
हम प्रार्थना करते हैं कि इन दैवीय रहस्यों के द्वारा हम नए नियम के मध्यस्थ, यीशु के समीप आ सकें, और हे सेनाओं के प्रभु, आपके वेदी पर उस लहू के छड़िकाव को फिर से नया कर सकें, जो हाबेल के लहू से भी अधिक प्रभावपूर्ण बोलता है, जिसने स्वर्ग से प्रायश्चित्त के लिए नहीं, बल्कि प्रतिशोध के लिए पुकारा था: उसी के द्वारा, हमारे प्रभु यीशु मसीह।

पवतिर क्रूस का प्रस्तावना

समुदायिक स्तोत्र
मसीह ने बहुतों के पापों को उठाने के लिए स्वयं को एक बार अर्पण किया; दूसरी बार आने पर उनका पाप से कोई लेना-देना नहीं होगा: वे उन लोगों के उद्धार के लिए प्रकट होंगे जो उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

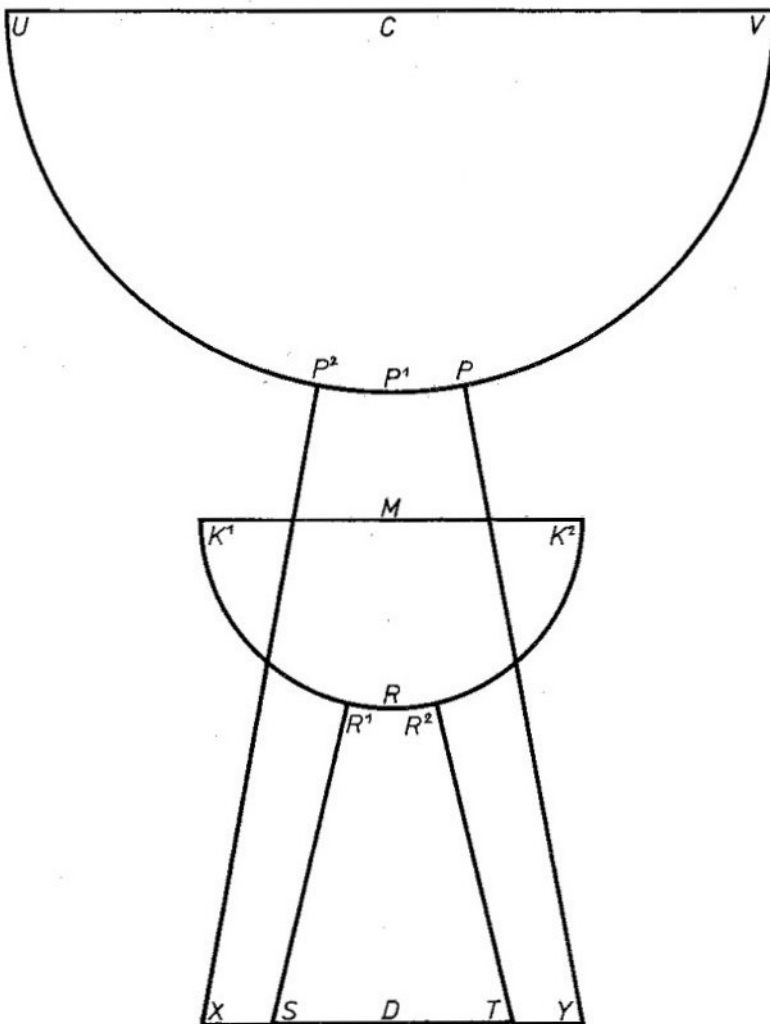
परम-परमप्रसादोपरांत प्रार्थना

हे प्रभु, पवतिर मेज़ पर प्रवेश पाकर, हम आनंदपूर्वक उद्धारकर्ता के झरनों से जल लेते हैं; अब हम प्रार्थना करते हैं: कि उनका लहू हमारे लिए एक ऐसा झरना बन जाए जो अनंत जीवन में बहता है: हमारे पवतिर प्रभु और परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा, जो पवतिर आत्मा की एकता में आप के साथ जीवते और राज्य करते हैं, हे पवतिर परमेश्वर, युगानुयुग। **आमीन।**



X' 1. रक्त प्रतीक का नकट-दृश्य ज्यामितीय चर्चित्रो A-B के साथ। रक्त प्रतीक के चारों ओर बनाए गए वृत्त का व्यास: 27 सेमी। त्रिज्या M-A: 13.50 सेमी। - रक्त प्रतीक का कुल आकार: 27 सेमी। प्याले की ऊँचाई: ,/. कुल ऊँचाई का: 13.50 सेमी। दलि के शखिर से प्याले के ऊपरी कनारे तक: 13.50 सेमी। K-K: प्याले के कनारे की चौड़ाई: 10.20 सेमी (= स्वर्णमि अनुपात)। S-T: प्याले के आधार की चौड़ाई: 6.50 सेमी। - होस्ट का व्यास: + क्र. S-T-H.-K,-K,- B'-S: छोटे स्टाइलाइज्ड प्याले का आकार। X-Y-P-V-U-P"-X: बड़े स्टाइलाइज्ड प्याले का आकार।

1' इस खंड को खून के धबबे की जांच के लिए काटा गया था। फोरेसिक चिकित्सा संस्थान, वशिवदियालय, 8वां, 12वां नवंबर 1953। परीणाम: 'मानव प्रोटीन की उपस्थिति, सबसे अधिक संभावना खून की। या तो ब्लड ग्रुप 0 या कोई ब्लड ग्रुप पदार्थ नहीं।' मूल रिपोर्ट लेखक के पास सुरक्षित है।

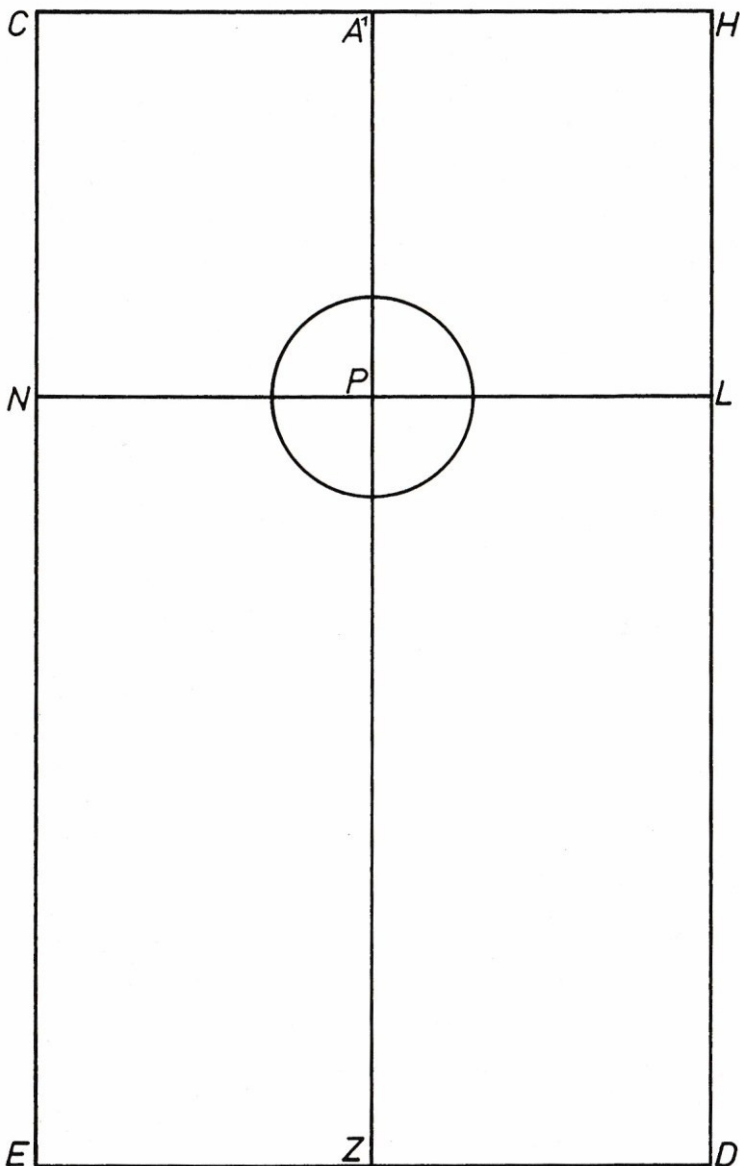


X, 2. ज्यामितीय रूप से गणना किए गए दो शैलीकृत प्याले के रूप: छोटा प्याला (मास प्याला)

कुल ऊँचाई D-M: 13.5 सेमी; प्याले का ऊपरी कनारा K'-K': 10.2 सेमी; प्याले का आधार S-T: 6.5 सेमी; प्याले के कटोरे की गहराई M-FI: 5.1 सेमी; प्याले का नॉब B'-R'': 2.5 सेमी; प्याले के आधार की ऊँचाई D-ऊँचाई: 8.5 सेमी।

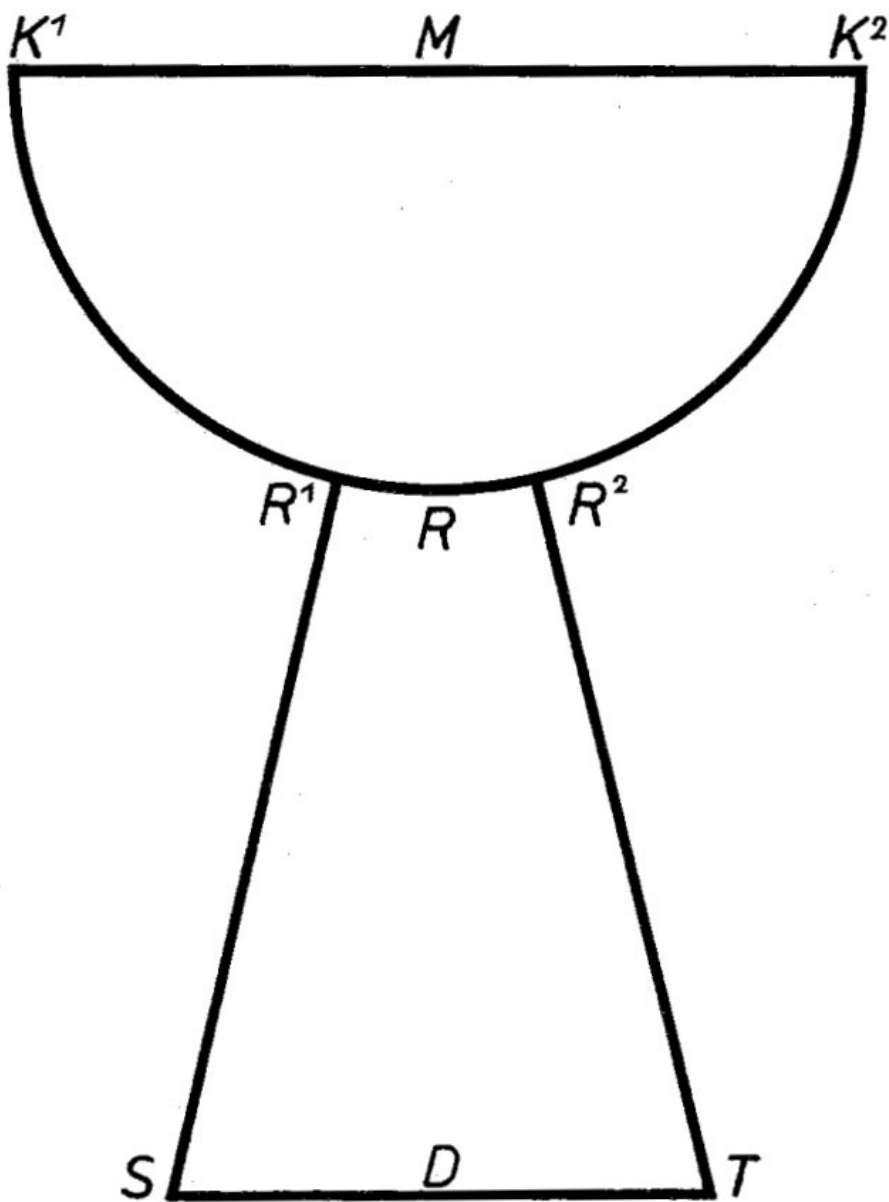
बड़ा प्याला (कॉम्युनियन प्याला)

कुल ऊँचाई O-C: 27 सेमी; प्याले का ऊपरी कनारा U-V: 20.4 सेमी; प्याले का आधार X-Y: 10.2 सेमी; प्याले की कटोरी की गहराई P'-C: 10.2 सेमी; प्याले का नॉब P'-P: 4 सेमी (होस्ट का व्यास); कैलिस फुट की ऊँचाई D-P': 16.8 सेमी।



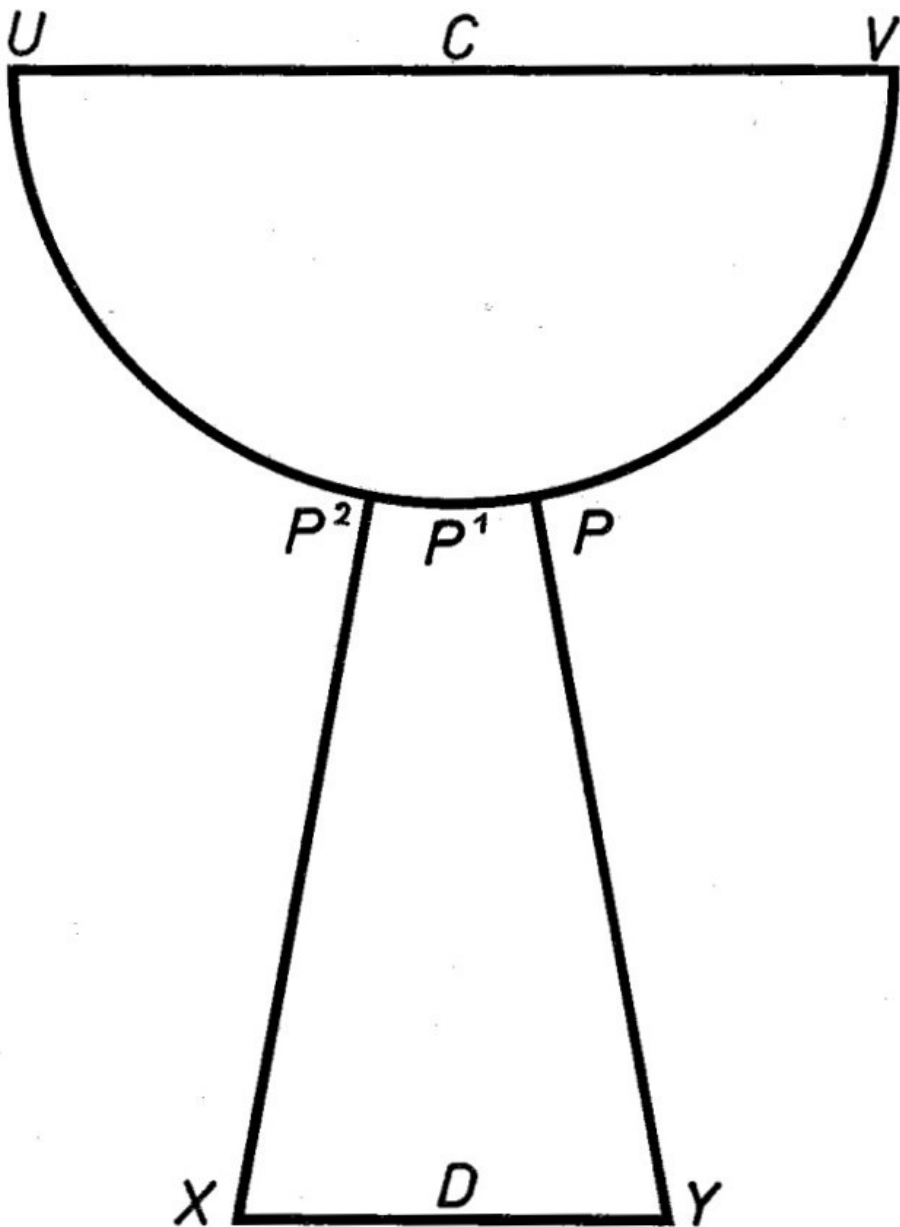
X, 3, एक सैक्रिस्टी का योजना दृश्य

दो लंबी भुजाएँ E-C और D-H: प्रत्येक 23.30 सेमी। दो छोटी भुजाएँ E-D और C-H: प्रत्येक 13.50 सेमी।
 केंद्र रेखा Z-A' होस्ट के केंद्र बिंदु P से होकर गुजरती है। अनुप्रस्थ रेखा N-L पूरे आयत को इस प्रकार विभाजित करती है कि ऊपरी, छोटा भाग NLHC पूरे का एक तहियाई हसिसा बनाता है। बिंदु P (होस्ट का केंद्र) पर Z-A' की लंबाई का स्वर्णमि अनुपात स्थिति है।



4. चासबुल

S-T – 6.5 सेमी; D-M: 13.5 सेमी; K'-K": 10.2 सेमी; M-R: 5.1 सेमी; R'-R": 2.5 सेमी।



5. कॉम्प्युनयिन प्याला

X-Y: 10.20 सेमी; D-A: 27 सेमी; U-V: 20.40 सेमी; C-P': 10.20; P'-P: 4 सेमी
(होस्ट व्यास)



AEW उनकी मृत्यु से लगभग 6 सप्ताह पहले।



ईसा मसीह के कष्टों को सहने के बाद AEW 'वशिराम में' (शाम 3.00–6.00 बजे)। इस प्रकार की एकमात्र तस्वीर उनकी बहन मारिया द्वारा ली गई थी।

इस प्रकार की तस्वीर, उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले ली गई।

सुतुति

मसीह के पवतिर रक्त की

मैं मेम्ने के घावों और रक्त की सुतुतिकरता हूँ, जो मेरे शरीर की दुर्बलताओं को चंगा करते हैं।

मैं मेम्ने के घावों और रक्त की सुतुतिकरता हूँ, जो मेरी आत्मा की दुर्बलताओं को चंगा करता है।

मैं मेम्ने के घावों और रक्त की सुतुतिकरता हूँ, जो मेरी आत्मा की दुर्बलताओं को चंगा करते हैं। परमेश्वर के मेम्ने की आराधना, जसिने यातनाओं के बीच हमारे लिए अपना रक्त बहाया। उनके लहू में क्षमा करने की शक्ति है, उनके लहू में शुद्ध करने की शक्ति है, उनके लहू में छुटकारा दिलाने की शक्ति है, उनके लहू में मुक्त करने की शक्ति है, उनके लहू में वजिय पाने की शक्ति है, उनके लहू में नवीनीकरण की शक्ति है, उनके लहू में संरक्षति करने की शक्ति है। जो यीशु के लहू की शक्ति पर विश्वास करते हैं, उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जो मुझे मेरे सभी पापों से शुद्ध करता है, ताकि मैं हमि के समान श्वेत हो जाऊँ।

मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जो मुझे मेरे सभी पापों से शुद्ध करता है, ताकि मैं बर्फ की तरह सफेद हो जाऊँ।

पाप की सभी बंधन और बेड़ियों।

मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जो मेरे सभी पापों से मुझे शुद्ध करता है, ताकि मैं बर्फ की तरह सफेद हो सकूँ। मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जसिमें मुझे मेरे सभी से मुक्त करने की शक्ति है। पाप की बेड़ियों और जंजीरों से मुक्त होने के लिए।

मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जसिमें उन सभी शक्तियों पर वजिय है जो मेरा दमन करना चाहती हैं, हर शत्रु शक्ति पर।

मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जो मेरे लिए विवाह का वस्त्र तैयार करता है।

मैं मेम्ने के लहू की सुतुतिकरता हूँ, जो सभी चीज़ों, सभी चीज़ों को नया बनाता है। हल्लेयुआ! —
आमीन।

एम. बेसलिया श्लकि, ससिस्टर्स ऑफ़

मैरी, डारमसटाइट

मूल्यवान रक्त की माता मरियम से प्रार्थना

ब्रह्मांड की पवत्रि रानी, हमारी प्रिय माँ। आप में और आपके द्वारा हम यीशु के लहू के अद्भुत रहस्य, मेल-मिलाप की महान शक्ति की स्तुति करते हैं।

आपके नरिमल गर्भाधान की द्रव्य भव्यता में, आपने हमारे उद्धार के रक्त की महामिमय वजिय में एक भूमिका नभाई; पवत्रि ईश्वर, उद्धारकर्ता यीशु मसीह के साथ, आप सह-मोक्षदाता और समस्त मानव जाति की माता बनीं।

हे पवत्रि मरियम, हम आपके उत्कृष्ट और शक्तिशाली पद पर आपको, हे बहुमूल्य रक्त की देवी और रानी, नमस्कार करते हैं: हमारे आत्माओं पर इस महामिमय और बल प्रदान करने वाले रक्त का छड़िकाव करें, ताकि हम दुष्ट शत्रु के सभी जालों पर वजिय प्राप्त कर सकें और सद्गुण के पथ पर पवत्रि उत्साह के साथ आगे बढ़ सकें।

इस रक्त से जीवन की पुस्तक में हमारे नाम अंकित करें, ताकि पृथ्वी पर इसके उपासक के रूप में, हम एक दनि, आपके और सभी चुने हुएों के साथ, इस बहुमूल्य रक्त की अनंत महिमा में स्तुति कर सकें।

'इम्प्रोगिडर', 12 जुलाई 1960,
आर्चबिशप का ऑर्डिनरेट, साल्जबर्ग

हे मेरे पवत्रि ईसा, इस वर्तमान खतरे में अनुग्रह और दया; हमें अपने कीमती रक्त से ढकें।

यीशु की स्तुति और धन्यवाद हो, जिन्होंने अपने लहू के द्वारा हमें मुक्त किया है!

सर्वशक्तमिान ईश्वर से प्रेम करो, जो तुम्हें बचाना और तुम्हें शांति में रखना चाहता है

हम सर्वशक्तमिान पवतिर त्रिमूर्ति परमेश्वर, † पिता, पुत्र और पवतिर आत्मा की सत्तुति, प्रेम और आराधना करते हैं, अब और हमेशा और अनंत काल तक।

हम जो कुछ भी करते हैं, वह पवतिर ईश्वर की इच्छा के अलावा कुछ भी नहीं है। हम पवतिर ईश्वर का धन्यवाद करते हैं कि वह हमसे काम करवाता है और हम सभी लोगों की ओर से लिखने में सक्षम हैं।

ईश्वर पवतिर आत्मा हम सबको अपनी ज्योति से प्रकाशित करे, और सभी हृदयों को शांति, शक्ति, अनुग्रह और प्रेम से भर दे।

संत माइकल महादूत, अपने नौ मंडलीय पवतिर स्वर्गदूतों के साथ, हमेशा हमारी रक्षा और देखभाल करते हैं।

ईश्वर के संत हमारे मध्यस्थ हैं।

पवतिर सर्वशक्तमिान ईश्वर दे भी सकते हैं और ले भी सकते हैं। पवतिर ईश्वर पहले से ही जानते हैं कि लोगों के हृदय में क्या है और वे कल कैसे होंगे।

वह हमेशा आपके हृदयों में भी रहना चाहता है,

ताकिसिभी लोग उसकी इच्छा पूरी करें, स्वर्ग पहुँचें और पवतिर ईश्वर के साथ हमेशा रहें।

किसी भी परस्थिति में किसी को भी पवतिर ईश्वर का इनकार नहीं करना चाहिए; किसी को भी हमेशा पवतिर ईश्वर की सच्चाई में जीना चाहिए और उनकी सेवा करनी चाहिए।

हमारे सर्वशक्तमिान पवतिर त्रैक ईश्वर, † पिता, पुत्र और पवतिर आत्मा, स्वयं सत्य हैं, झूठ से रहति, अहंकार से रहति, और उनमें कोई वधिरम नहीं है।

उन्होंने एक बार मुझसे कहा, जे.: 'तुम्हें पापियों से प्रेम करना चाहिए और पाप से घृणा करनी चाहिए'।

पवतिर ईश्वर, हमारे राजा और उद्धारकर्ता, सभी लोगों से प्रेम करते हैं। वह चाहते हैं कि सभी का उद्धार हो।

और यही हमारी इच्छा भी है: कि कोई भी नरक में न जाए। लगभग 40 वर्षों से, मैं पूरी दुनिया के लिए नःशुल्क प्रार्थनाएँ लिख रहा हूँ, क्योंकि उद्धारकर्ता ने हमसे वादा किया है: 'स्वर्ग में तुम्हारा इनाम बहुत बड़ा होगा'।

वह उन लोगों को भी बचाना चाहता है जो सर्वशक्तिमान पवतिर् त्रिमूर्ति ईश्वर—पति, पुत्र और पवतिर् आत्मा—से मुंह मोड़ लेते हैं, और किसी को दो मालिकों की सेवा नहीं करनी चाहिए।

या तो पवतिर् और दयालु ईश्वर, या शैतान और राक्षस।

उद्धारकर्ता ने कहा: 'कोई भी आत्मा पाप रहति नहीं है'।

जब लोग अपने दिल की गहराई से अपने पापों का पश्चाताप करते हैं, तो उसका प्रेम हमेशा वज्रियी होता है, क्योंकि वह प्रेममय और वफादार सर्वशक्तिमान पवतिर् त्रिमूर्ति ईश्वर है।

पवतिर् ईश्वर के बना, हम कुछ भी नहीं कर सकते और न ही अनंत जीवन

प्राप्त कर सकते हैं।

इसीलिए हमें हर दिन पवतिर् ईश्वर की आवश्यकता है, ताकि हम उनसे प्रेम कर सकें और हर समय तथा हमेशा उनके प्रति वफादार रह सकें।

www.gnadenvolle-gebete.de

16 नवंबर 2025

डी-फोर्बाख, एर्बर्सब्रॉन, जुलियाना,
बर्नहार्ड